दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

Digital Edition

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 160 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 09 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

इस साल 50 नए मेडिकल कॉलेज खुलेंगे, एमबीबीएस की 8,195 सीटें बढ़ेंगी

अभी भारत में 702 मेडिकल कॉलेज हैं.

नई दिल्ली/एजेंसी

स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों से देश में इस साल 50 नए मेडिकल कॉलेज खोले जाएंगे. इन कॉलेजों में 30 सरकारी होंगे वहीं 20 प्राइवेट कॉलेज होंगे. इन कॉलेज के खुलने से देश में मेडिकल के यूजी कॉर्स में दाखिले के लिए सीटों की संख्या में बढ़ोतरी हो जाएगी. भारत में मेडिकल सीट 1 लाख 7 हजार 658 हो जाएगी. 8195 सीटों की बढ़ोतरी हो जाएगी. अभी भारत में 702 मेडिकल कॉलेज हैं.

एनएमसी ने इस साल 40 कॉलेज का मान्यता रद्द कर दिया है. नेशनल मेडिकल कमीशन का यूजी बोर्ड पांच साल के लिए मेडिकल कॉलेज को मान्यता देता रहा है. इस कार्रवाई के बाद अब तक कुल 20 मेडिकल कॉलेज की अपील मेडिकल बोर्ड के पास गई है. और 6 अपील केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के पास आई है. क्योंकि एनएमसी के समक्ष अपील के बाद दूसरी अपील स्वास्थ्य मंत्रालय के पास आती है. वहीं मेडिकल कमीशन ने 9 मेडिकल कॉलेज की सीट को कम करने का आदेश भी दिया है. कॉलेज में कमी पाए जाने के बाद सीट में कमी की बात कही गई है.

वहीं स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से दावा किया गया है कि मोतियाबिंद की बैकलॉग सर्जरी को लेकर सरकार मिशन मोड में काम कर रही है. इस साल जनवरी से अब तक 83 लाख सर्जरी किए गए हैं. बताते चलें कि हर साल 60 से 65 लाख कैटरेक्ट का ऑपरेशन होता है. कोविड की वजह से काफी बैकलॉग हो गया था. दो साल कैटरेक्ट का ऑपरेशन नहीं किया गया था.

32 साल की लिव-इन पार्टनर के कटर से किए टुकड़े, कुकर में उबाल कुत्तों को खिलाया

मुंबई/एजेंसी।

दिल्ली का श्रद्धा वाल्कर मर्डर केस ने देशभर में सुर्खियां बटोरीं थी और अब मुबंई में भी एक ऐसा ही दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। दरअसल मुंबई के मीरा रोड इलाके की आकाशगंगा सोसाइटी में एक महिला की निर्मम हत्या कर दी गई। इतना ही नहीं हत्यारे ने सबूत मिटाने के लिए शव के टुकड़ों के कुकर में उबाल दिया। हालांकि अपनी एक गलती की वजह से वह पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने मौके से महिला के शव के कई टुकड़े बरामद किए है। पुलिस का कहना है कि वह सोसाइटी में अपने एक दोस्त के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि महिला की गला रेत कर हत्या की गई है और बाद में उसके शव के कई टुकड़े किए गए।

डीसीपी जयंत बजबाले ने कहा कि मृतका की पहचान 32 वर्षीय सरस्वती वैद्य के रूप में हुई है। वह अपने 56 वर्षीय दोस्त मनोज साहनी के साथ आकाशगंगा सोसाइटी में कि राए के एक फ्लैट में पिछले तीन साल से रह रही थी। उन्होंने कहा कि अभी पूरे मामले की जांच की जा रही है। फ्लैट से दुर्गंध आने पर आस-पास के लोगों ने पुलिस को जानकारी दी थी। जिसके बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और सोसाइटी की सातवीं मंजिला से महिला का क्षत-विक्षत शव बरामद किया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला की हत्या करने के बाद उसके शव को कई टुकड़ों में काटा गया। बदबू ना फैले, इसलिए आरोपी ने शव के टुकड़ों को कुकर में उबाल दिया।

संक्षिप्त समाचार

हफ्तेभर की देरी के बाद केरल पहुंचा मानसून

नई दिल्ली। मौसम हर पल करवट बदल रहा है। कहीं बारिश की फुहारें पड़ रही हैं तो दूसरी जगहों में गर्मी लोगों को परेशान कर रही है। लोग बेसब्री से मानसून का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच,भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने आज गुरुवार को लोगों को खुशखबरी दी है।दरअसल, हफ्तेभर की देरी के बाद मानसून केरल पहुंच गया है। इससे लोगों को तपती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विज्ञानियों ने पहले जानकारी देते हुए बताया था कि चक्रवात 'बिपारजॉय' मानसून की तीव्रता को प्रभावित कर रहा है। इसलिए केरल में इसकी शुरुआत हल्की होगी। हालांकि,आज दक्षिण–पश्चिम मानसून केरल में आ गया है। आईएमडी ने कहा कि मानसून दक्षिण अरब सागर और मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों,लक्षद्वीप,केरल व दक्षिण तमिलनाडु के अधिकांश हिस्सों, कोमोरिन क्षेत्र के शेष हिस्सों,मन्नार की खाड़ी,दक्षिण पश्चिम,मध्य और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी सहित कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

गौरतलब है कि आईएमडी ने रविवार को कहा था कि केरल में मानसून के पहुंचने की तारीख से तीन से चार दिन की देरी हो सकती है। सामान्य तौर पर दक्षिण–पश्चिम मानसून राज्य में एक जून को करीब सात दिनों के मानक विचल के साथ दस्तक देता है। विभाग ने मई के मध्य में कहा था कि यह चार जून तक केरल पहुंच सकता है।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

62,787.47+240.36 (0.38%)

निफ्टी

18,593.85+59.75 (0.32%)

बोरवेल में फंसी सृष्टि को 52 घंटे बाद रोबोटिक टीम ने निकाला, मौत

रोबोटिक टेक्निक से खींचा बाहर, रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी बच्ची, डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

नई दिल्ली/एजेंसी।

सीहोर जिले के मुंगावली गांव में 300 फीट गहरे बोरवेल में गिरी बच्ची जिंदगी की जंग हार गई। तीन साल की मासूम सृष्टि को करीब 52 घंटे बाद बोरवेल से बाहर निकाला गया। रेस्क्यू टीम ने उसे रोबोटिक टेक्निक से बाहर खींचा। बच्ची कोई रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। उसे एंबुलेंस से सीधे जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

रोबोट टीम के प्रभारी महेश आहीर ने बताया कि जब बच्ची को बाहर निकाला गया, तब वह बेहोश थी। वह किसी प्रकार से रिस्पॉन्स नहीं कर रही थी। हमने रोबोट के डेटा के साथ सेना, एनडीआरएफ की मदद से पूरा रेस्क्यू किया है। बच्ची के बाहर आते ही डॉक्टर ने बच्ची को लिया और एंबुलेंस में लेकर उसे अस्पताल लेकर रवाना हो गए। बच्ची 150 फीट की गहराई पर फंसी थी।

ज्ञात रहे सृष्टि नाम की 3 साल की ये बच्ची मंगलवार दोपहर करीब एक बजे खेलते-खेलते खेत में बने बोर में गिर गई थी। उस वक्त वह 29 फीट गहराई पर अटक गई थी। लेकिन रेस्क्यू के दौरान हुई खुदाई के कंपन से वह नीचे खिसकती गई। मौके पर SDRF, NDRF और आर्मी की रेस्क्यू में जुटी थी। गुरुवार को सुबह 9 बजे दिल्ली की रोबोटिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर ऑपरेशन शुरू किया। दोपहर बाद तेज हवा और बारिश होने से रेस्क्यू प्रभावित भी हुआ। रोबोटिक टीम ने शाम करीब साढ़े 5 बजे बच्ची को बाहर निकाला, लेकिन बोरवेल में गिरी सृष्टि जिंदगी की जंग हार गई।

दिल्ली की रोबोटिक टीम ने बोरवेल में रोबोट भेजकर सृष्टि की स्थिति पता कर ली है। रोबोट के डेटा के अनुसार बच्ची 150 फीट की गहराई में पानी में डूबी है। अभी तक बच्ची को बाहर नहीं निकाला जा सका है। फिलहाल बच्ची की हालत कैसी है इसकी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

बीते करीब 45 घंटे से बोरवेल में फंसी सृष्टि को बचाने के लिए अब रोबोटिक टीम को बुलाया गया है। रोबोटिक टीम सुबह करीब 9:30 बजे सीहोर के बड़ी मुंगावली पहुंचकर टीम ने रेस्क्यू शुरू कर दिया है। रोबोटिक एक्सपर्ट ने रोबोट को बोरवेल में डाला था, जिसके बाद अब उसके डेटा को स्कैन कर बच्ची की स्थिति का पता लगाया जा रहा है।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

संक्षिप्त समाचार

मन का मिलन पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत दी गई कानूनी जानकारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका द्वारा गुरुवार को ₹मन का मिलन पखवाड़ा₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राधिकार के सचिव विश्वनाथ भगत ने बताया कि 17 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम मे अधिक से अधिक लोगों के मामलों का निष्पादन करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देशच है। कार्यक्रम न्याय सदन, टेन कोर्ट भवन के अलावे जिले के सभी दस प्रखंडो मे आयोजित किया जा रहा है, जहाँ के पीएलवी के सहयोग से पम्पलेट के जरीये लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावे मीडिएटर, टेली लॉ अधिवक्ता , विभिन्न थानो की पुलिस अधिकारी, महिला थानेदार और पी एल वी कर द्वारा इस कार्यक्रम मे मुफ्त परामर्श की सेवाएं दी जा रही है। कार्यक्रम मे लंबित या मुकदमा पूर्व स्तर के मामलों का आवेदन लिया जा रहा है और सुझाव भी दिये जा रहे है । यह 29 मई से 14 जून तक सुबह 07 से दोपहर 12 बजे तक चलेगा। प्राधिकार के सचिव ने लोगों से अपील किया कि वे मध्यस्थता के आधार पर अपने वादों को आपसी समझौता के आधार पर सुलझाएं एवं अपने कीमती समय एवं धन को भी बचाएं।

पीएचसी भवन निर्माण के लिए प्रस्तावित जमीन चिन्हित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। उप विकास आयुक्त सह मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी जिला परिषद दुमका के निर्देश पर गुरुवार को अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस डी मिश्रा द्वारा जामा प्रखंड अंतर्गत आसनसोल कुरवा पंचायत के दुधानी गांव में पीएचसी भवन निर्माण के लिए प्रस्तावित जमीन चिन्हित की गई।मौके पर ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों के साथ सलाह परामर्श कर भवन निर्माण की उपयुक्तता का प्रस्ताव पारित किया गया।इसके पूर्व राजस्व उप निरीक्षक एवं अंचल अमीन से कराए गए जांच प्रतिवेदन के आधार पर दुधानी गांव में आनबादी खाता संख्या 48 के दाग नंबर 8 में 1 एकड़ 2 डिसमिल जमीन पर प्रस्तावित रकवा 20 डिसमिल पर भवन निर्माण कार्य के लिए जमीन चिन्हित की गई थी। अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने बताया कि स्वास्थ्य उपकेंद्र बनाने के लिए जमीन चिंहित कर उसका प्रतिवेदन उप विकास आयुक्त को भेजा गया था,लेकिन जगह और लोकेशन उपयुक्त है कि नही इसकी भी जांच कर एवं ग्रामीणों से वार्ता कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।जिसपर स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस डी मिश्रा सहित अन्य कर्मियों के साथ सामुहिक रूप से जांच कर भूमि की उपयुक्तता की रिपोर्ट भेजी जा रही है।

झारखंड गर्वनमेंट टूल्स रूम दुमका के तत्वावधान में कैरियर काउंसलिंग का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। प्रोग्रेसिव एजुकेशन सेंटर सरैयाहाट में 10 वी एवं 12 वीं के उतीर्ण विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की उपस्थिति में झारखंड गर्वनमेंट टूल्स रूम दुमका के तत्वावधान में कैरियर काउंसलिंग किया गया।इस कार्यक्रम में टूल्स रूम के प्लेसमेंट इंचार्ज आलोक रंजन एवं कोचिंग सेंटर के संचालक मदन कुमार झा ने पॉलीटेक्निक डिप्लोमा में कैरियर की अपार संभावनाएं पर चर्चा की,साथ ही प्रोजेक्टर की सहायता से प्रेजेन्टेशन दिया। इस कार्यक्रम में शालिग्राम यादव,संजीव सिंह,जितेंद्र शर्मा,पप्पू कुमार,उदयकांत यादव,मनोज मंडल,रंजित भगत,राजेश यादव आदि अविभावकों ने हिस्सा लिया।

सरकार व प्रशासन से की गई बेनागड़िया को संताल ऐतिहासिक ग्राम और चितरागड़िया को संताल ऐतिहासिक पंचायत का दर्जा देने की मांग

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदिवासी मूलवासी विकास मोर्चा के केन्द्रीय अध्यक्ष हाबिल मुर्मू की अध्यक्षता में आज बेनागड़िया जोड़ा बाँध परिसर में चितरागड़िया पंचायत कमिटी का सांगठनिक विस्तार किया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से चितरागड़िया पंचायत मुखिया सोमलाल हेम्ब्रम पंचायत समिति सदस्य बसंती हेम्ब्रम उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसहमति से बुलबुल हेम्ब्रम को पंचायत अध्यक्ष,मेरी मुर्मू को कार्यकारी पंचायत अध्यक्ष, सुलेमान हेम्ब्रम को सचिव,रोसेन हेम्ब्रम को उपाध्यक्ष, बेनेडिक्ट टुडू को कोषाध्यक्ष,आदित्य टुडू,मोनिका सोरेन,आसीत हेम्ब्रम और मुंशी हेम्ब्रम को कार्यकारिणी सदस्य पद पर चयन किया गया। वहीं सोनोती मुर्मू को पंचायत महिला मोर्चा अध्यक्ष,बिमल हेम्ब्रम को पंचायत युवा मोर्चा अध्यक्ष,नोएल हाँसदा को पंचायत किसान मोर्चा अध्यक्ष,मेरीला मुर्मू को राशन-पेंशन मोर्चा अध्यक्ष चुना गया। प्रतिभागियों के विशेष निवेदन पर चितरागड़िया पंचायत मुखिया सोमलाल हेम्ब्रम को पंचायत कमिटी का मुख्य संरक्षक और पंचायत समिति सदस्य बसंती हेम्ब्रम को मुख्य सलाहकार सदस्य बनाया गया। मौके पर विभिन्न ग्राम से आए ग्रामीण प्रतिभागियों और पंचायत जनप्रतिधि के साथ जनसमस्या-समाधान को लेक-र सकारात्मक परिचर्चा हुई और ग्रामीणों की समस्या के समाधान को लेकर तत्परता से भूमिका निभाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित स्थानीय प्रतिभागियों ने स्थानीय जनसमस्याओं की जानकारी देते हुए बताया कि चितरागड़िया पंचायत अन्तर्गत पत्थर खदान-क्रशर उद्योग से झारखण्ड सरकार को अधिकांश राजस्व मिलने के बावजूद विभिन्न ग्रामों में पेयजल संकट इतना गंभीर है कि बेनागड़िया के ग्रामीण मजबूरन जोड़ा तालाब (बाँध)का पानी पीने के लिए विवश हैं। जहाँ स्थानीय ग्रामीणों सहित घुमक्कड़ कुत्ते भी स्नान करते हैं। जहाँ अनियमित बिजली, बेरोजगारी,स्वास्थ्य और पीडब्लूडी सड़क चौड़ीकरण संबंधित जमीन मुआवजा,संताल ऐतिहासिक पहचान जन्मदाता दर्जा प्राप्त करने जैसे अन्य जन समस्या से जूझने के लिए विवश हैं।मौके पर चितरागड़िया पंचायत के ग्रामीणों ने एक स्वर से झारखण्ड सरकार और स्थानीय जिला प्रशासन से एक स्वर में मांग की है कि बेनागड़िया ग्राम को संताल ऐतिहासिक ग्राम का दर्जा दिया जाए।

बेनागड़िया मिशन में संताल ऐतिहासिक संग्रहालय (म्यूजियम) की स्थापना की जाए। कोल्यान गुरू और जुगिया हाड़ाम को संताली भाषा और रीति-रिवाज का जन्म दाता का दर्जा दिया जाए। चितरागड़िया पंचायत को संताल ऐतिहासिक ग्राम पंचायत का दर्जा दिया जाए। चितरागड़िया-बेनागड़िया-सोगेटला(तीन माथा) अनु शेख मोड़ पर वीर शहीद सिदो-कान्हू मुर्मू का प्रतिमा स्थापना किया जाए। इसअवसर पर आदिवासी विकास मोर्चा के केन्द्रीय अल्पसंख्यक अध्यक्ष मंजर अंसारी,समाज सेवी, चितरागड़िया पंचायत मुखिया सोमलाल हेम्ब्रम,पंचायत समिति सदस्य बसंती हेम्ब्रम,नोएल हाँसदा, अनोती मुर्मू,मेरी मुर्मू,नलिनी सोरेन, बुलबुल हेम्ब्रम,मेरी मुर्मू,राजेन्द्र सोरेन,तबियस हेम्ब्रम,मेरीला मुर्मू ,सुलेमान हेम्ब्रम,रोसेन मुर्मू, बेनेडिक्ट टुडू,बिमल हेम्ब्रम, स्टेनशिला मरांडी,संगीता किस्कू, सोरोला हाँसदा,नयनतारा हेम्ब्रम, बेलीना हेम्ब्रम,सबिना सोरेन सिबानी हेम्ब्रम सहित भारी संख्या में स्थानीय महिला-पुरूष उपस्थित थे।

डुमरथर विद्यालय में जी 20 के अंर्तगत एफ एल एन कार्यक्रम का किया गया आयोजन

क्विज में अमित ने तो चित्रांकन में कालेश्वर हेंब्रम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जरमुंडी प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय डुमरथर में जी 20 के अंतर्गत एफ एल एन (फाऊंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमैरेसी) से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन गुरुवार को किया गया। विद्यालय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा आज निपुण शपथ, , क्विज, एवं चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन विद्यार्थियों के बीच किया गया ।चित्रांकन प्रतियोगिता में कालेश्वर हेंब्रम ने प्रथम स्थान, सुमंती मुर्मू ने द्वितीय स्थान सोनमुनी मुर्मू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। क्विज प्रतियोगिता में अमित कापरी ने प्रथम स्थान व आनंद सोरेन ने द्वितीय स्थान तथा शिवम कापरी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर डुमरथर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सपन कुमार ने कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी-20 की बैठक देश के विभिन्न राज्यों में कई शहरों में किया जा रहा है जी-20 के अंतर्गत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एमपी के निपुण भारत मिशन के फाउंडेशन लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफ एल एन) थीम पर आधारित कार्यक्रम का आयोजन भी किया जाना है। इसे लेकर विद्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है ।इसमें अभिभावकों, विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समुदाय की सहभागिता भी शामिल है। इस कार्यक्रम का आयोजन सप्ताह भर तक लगातार किया जाएगा। जिसमें विभिन्न तरह के कार्यक्रम समाहित है। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ सपन कुमार,शिक्षक अनुज कुमार मंडल, सुखलाल मुर्मू ,अध्यक्ष रामविलास मुर्मू ,पवन लाल मुर्मू माता समिति के सदस्य बिटिया हसदा, प्रमिला देवी, बहमुनी हसदा आदि मौजूद थे।

कालाजार मुक्त दुमका कार्यक्रम के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। गोटा भारोत सिदो कान्हू हूल बैसी दुमका एवं जिला मलेरिया विभाग दुमका के संयुक्त तत्वाधान में एक जागरूकता कार्यक्रम जरमुंडी प्रखंड अंतर्गत खरबिला पंचायत के नया फेटका गांव में सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम में जिला वीङ्क बीङ्क डीङ्क पदाधिकारी डाङ्क एङ्क एमङ्क सोरेन ने उपस्थित सभी ग्रामिणों को मलेरिया एवं कालाजार के विषय में विस्तृत जानकारी देते हुए सतर्कता एवं स्वच्छता से मिलने वाले लाभों से लोगों को अवगत कराया। साथ ही सभी को मच्छरदानी का उपयोग करने के लिए अनुरोध किया। बैसी के सचिव श्री इमानुएल सोरेन ने उपस्थित ग्रामीणों को हूल दिवस के उपलक्ष में होने वाले पदयात्रा के विषय में विस्तृत जनकारी दी। पदयात्रा 26जून पोखरा चौक दुमका से शुरु होकर 30जून शाहिद ग्राम भोगनाडीह तक की जायेगी । बैसी के वरीय सदस्य श्री गमालियल हांसदा ने वर्तमान समय में जल संकट से बचने के लिए फलदार वृक्ष लगाने एवं वैज्ञानिक तरीके से खेती करने के लिए लोगों से अनुरोध किया। कार्यक्रम में दिलीप टुडू ,संतोष टुडू ,सनातन टुडू ,मोनिका सोरेन, राम हेम्ब्रम,इग्नातीयूस मुर्मू,सहिया धनमुनी हेम्ब्रम, सेविका गायत्री हेम्ब्रम, ग्रामप्रधान सीताराम टुडू, आनन्द हांसदा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन बैसी के पूर्व सचिव सुलेमान मरांडी ने किया।

धानभाषा पंचायत के चापुड़िया पहाड़ियां टोला में भीषण पेयजल संकट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। उपराजधानी दुमका में राज्य निर्माण के दो दशक बाद भी लोगों को मूलभूत सुविधाएं मयस्सर नहीं हो पायी हैं।आज भी लोग पेयजल जैसी जरूरी समस्याओं का सामना करने को विवश हैं।बताते चलें कि इस तपती गर्मी में रानीश्वर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत धानभाषा पंचायत के चापुड़िया पहाड़ियां टोला में भीषण पेयजल संकट उत्पन्न हो गया हैं। ज्ञात हो कि इस टोला के पचास परिवार भुस्कीबांध जलाशय के पानी से गुजर बसर करते हैं। मत्स्य विभाग के इस तालाब से ही पहाड़ियां परिवारों को आज तक पेयजल एवं पशुधनों के लिए पानी मिलता है यहां तक की नहाने समेत अन्य घरेलू जरुरतों को पूरा करने के लिए भी सभी पहाड़ियां परिवार इसी तालाब पर आश्रित है।जानकारी के अनुसार पांच दिन पहले चापुड़ीया गांव के कई गैर आदिवासी किसानों ने उस गांव के कई संताल किसानों के माध्यम से भुस्कीबांध जलाशय में पम्प लगा कर जल निकासी कर लिया हैं।जिससे जलाशय सुख गया हैं।जल निकासी को लेक-र यहां पहाड़ियां टोला के लोगों के साथ मारपीट भी हुई हैं ।संतालों ने पहाड़ियां द्वारा उस जलाशय से कमल फूल तोड़कर बेचने का आरोप लगाया है,इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में झंझट होने का आरोप लगाया हैं।मामले में पूरण देहरी ने बताया कि जलाशय में कमल फूल पहाड़ियां परिवारों ने लगाया हैं । यहां कई किसानों की मदद से संतालों ने जल निकासी कर लिया हैं,जिसके कारण यहां भयंकर जल संकट उत्पन्न हो गया हैं।पहाड़ियां परिवारों ने प्रखंड व जिला प्रशासन से पानी संकट का समाधान करने की गुहार लगाई है।ग्रामीणों ने बताया कि गांव में दो चापाकल है जो महीनों से खराब है,एक कुआं है वो भी सुख गया है।ग्रामीणों ने प्रशासन से डीप बोरिंग कराने की मांग की है।

गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। सरैयाहाट थाना कांड संख्या 87/18 दिनांक 14/07/2018, धा-रा 341/323/307/504/34 भा0द0वि0 के प्राथमिकी अभियुक्त विष्णु यादव पिता कटकी यादव, ग्राम चिहारभेक को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

क्रेशर एवं पत्थर खदान संचालको के साथ मासिक बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। गोपीकांदर प्रखंड कार्यालय के सभागार में गुरुवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी अनंत कुमार झा की अध्यक्षता में अंचल क्षेत्र में संचालित क्रेशर एवं पत्थर खदान के मालिकों के साथ मासिक बैठक रखी गई। बैठक में संबंधित गावों के ग्रामीणों के हित में सुविधा उपलब्ध कराने पर चर्चा की गई।अंचलाधिकारी ने सभी संचालकों को विशेषकर जहां क्रेशर चल रहे हैं वहां के ग्रामीणों के द्वारा किए गए आग्रह पर प्रदूषण नियंत्रण को बनाए रखने के लिए खदान से लेकर क्रेशर तक जाने वाली उन सड़कों पर सुबह शाम पानी का छिड़काव करने हेतु विशेष निर्देश दिए। अंचलाधिकारी ने बताया की में ग्राम अहरीचुआं,मुशना, बूढ़ीचा पड़,रामबानी,धरमपुर आदि जगहों में पूर्व में संचालित खुले खदानों में लीज इकरारनामा के अनुसार रैयतों को पुनः ज्ञात कराते हुए ये निश्चित कराया कि उस बंद खदानों में मछली पालन करने को लेकर रैयतों को चिन्हित कर 13 जून 2023 को प्र-खंड स्तरीय मछली पालन प्रशिक्षण हेतु अवशय भेजें। क्रेसर संचालकों को बताया गया कि आप सभी वन विभाग को दुमका-पाकुड़ मुख्य मार्ग के जीतपुर मोड़ से मुशना तक प्रदूषण नियंत्रण हेतु जितने भी गांव पड़ते हैं उन गांवों में वृक्षरोपण का प्रस्ताव जरूर भेजें।इस बात की पुष्टि बैठक में उपस्थित वन विभाग के प्रतिनिधी वनरक्षी सुबरेन हांसदा को दी गई। जिन्होने इस विषय को धरातल में लाने के लिए एक वर्ष तक का समय मांगा। बैठक में मुशना पंचायत की मुखिया सुनीता मुर्मू, प्रभारी अंचल निरक्षक शुधांसु शेखर,विश्वनाथ चांद,रंजन भगत,राहुल भगत,संजीव भगत, सहित दर्जनों क्रेशर व खदान संचालक शामिल हुए।

TO-LET
(3600 sq ft)
GROUND FLOOR
7 room late bath attach
SECOND FLOOR
4 room and 1 hall late bath attach
Address-lakhikundi (bridge left side),Dumka
Contact number-7004213289

संक्षिप्त समाचार

महिंद्रा का डुअल-फ्यूल स्मॉल कमर्शियल व्हीकल लॉन्च

जमशेदपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के मार्केट लीडर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने आज सुप्रो सीएनजी डुओ के लॉन्च की घोषणा की हैं, जो स्मॉल कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में पहला डुअल-फ्यूल वाला वाहन है। सुप्रो सीएनजी डुओ अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेलोड और श्रेणी में अग्रणी माइलेज प्रदान करता है और ग्राहकों को अधिकतम लाभ के साथ बेहतर प्रदर्शन देने के हमारे वादे पर आधारित है।

सुप्रो सीएनजी पेट्रोल और सीएनजी दोनों पर चल सकता है, जिससे ऑपरेटरों को महिंद्रा की प्रसिद्ध विश्वसनीयता और गुणवत्ता के साथ-साथ अग्रणी फ्यूल इकोनॉमी मिलती है। नया सुप्रो सीएनजी डुओ उद्योग में पहली बार डायरेक्ट-इन-सीएनजी स्टार्ट जैसी सुविधाओं से लैस है।

इससे सीएनजी मोड में वाहन को चालू करने की सुविधा मिलती है और इस तरह ग्राहक के लिए बेहतर बचत का वादा पूरा किया जाता है। इतना ही नहीं, सुप्रो सीएनजी डुओ अतिरिक्त सुरक्षा और सीएनजी और पेट्रोल विकल्पों के बीच आसान स्विचिंग के लिए इंटेलिजेंट सीएनजी लीक डिटेक्शन की सुविधा भी प्रदान करता है। जानकारी हो कि 6.32 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) की शुरुआती कीमत के साथ सुप्रो सीएनजी में ग्राहकों को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। ग्राहक नए सुप्रो सीएनजी डुओ को कम डाउन पेमेंट के साथ बुक कर सकते हैं और परेशानी मुक्त खरीद और स्वामित्व अनुभव के लिए फाइनेंस संबंधी आकर्षक योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। सुप्रो सीएनजी डुओ अन्य वाहनों से एकदम अलग नजर आता है और इसके अनेक कारण हैं। इसमें 750 किग्रा की सर्वश्रेष्ठ पेलोड क्षमता, अपनी श्रेणी में 75 लीटर की सबसे बड़ी सीएनजी टैंक क्षमता, 325 किलोमीटर की बेहतर रेंज और इसका नतीजा है अधिक व्यावसायिक अवसर और पहले से अधिक कमाई शामिल हैं।

गुरदीप पप्पू को मातृ शोक, संस्कार आज

जमशेदपुर। (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के संरक्षक सरदार गुरदीप सिंह पप्पू को मातृशोक हुआ है, गुरुवार की शाम तकरीबन चार बजे 73 वर्षीय बीबी बचन कौर का निधन सीतारामडेरा पीएस 1, शिव मंदिर समीप स्थित आवास में हो गया।

सरदार गुरदीप सिंह पप्पू ने बताया कि कल शुक्रवार सुबह साढ़े दस बजे उनके पार्थिव देह को सीतारामडेरा गुरुद्वारा होते हुए स्वर्ण रेखा बर्निंग घाट ले जाया जाएगा, जहां उसे अग्नि को समर्पित कर दिया जाएगा।

इधर घटना की जानकारी मिलते ही सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के प्रधान सरदार भगवान सिंह, चेयरमैन शैलेंद्र सिंह सलाहकार गुरचरण सिंह बिल्ला, उपाध्यक्ष चंचल सिंह, प्रधान कुलविंदर सिंह, गुरु नानक सेवा दल के प्रधान हरविंदर सिंह मंटू, चंचल भाटिया, खालसा क्लब के पूर्व प्रधान एवं उद्यमी हरजीत सिंह विरदी, हरपिंदर सिंह रॉकी, प्रधान दलबीर सिंह आदि उनके आवास पहुंचे और गुरदीप सिंह पप्पू के पिताजी रागी सरदार गुरुदयाल सिंह तथा परिवार के सदस्यों से मिले और उन्हें ढाढस बंधाया।

गुरदीप सिंह पप्पू ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से वे अस्वस्थ हैं और उनका इलाज चल रहा था, अचानक तबीयत बिगड़ी और डॉक्टर को बुलाया गया और डॉक्टर ने उन्हें जांच कर मृत घोषित कर दिया।

बीबी बचन कौर अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं, उनके चार बेटे एवं चार बेटियां हैं और बेटियां शहर से बाहर ब्याही हैं और उनके आने का इंतजार हो रहा है।

बीबी बचन कौर के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार हरेंद्र सिंह, तख्त श्री हरमंदिर जी पटना साहिब के प्रधान इंद्रजीत सिंह, भाजपा नेता एवं अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष गुरुदेव सिंह राजा, टाटा मोटर्स यूनियन अध्यक्ष गुरमीत सिंह तोते, प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव भारद्वाज, बीजेपी नगर अध्यक्ष गुंजन यादव, भाजमो अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले, कुलविंदर सिंह पन्नू पूर्व उपाध्यक्ष सुखविंदर सिंह राजू टीनप्लेट प्रधान सुरजीत सिंह खुशीपुर, कांग्रेस नेता पलविंदर सिंह, परविंदर सिंह, भाजपा नेता सतवीर सिंह सोमू, झारखंड मुक्ति मोर्चा नेता प्रमोद लाल श्रीवास्तव, खालसा क्लब अध्यक्ष भगवंत सिंह रूबी, महासचिव नरेंद्र सिंह, रामगढ़िया सभा अध्यक्ष केपीएस बंसल, इंदरपाल सिंह, सिख स्टूडेंट फेडरेशन अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने शोक जताया और बीबी भजन कौर की आत्मा की शांति की प्रार्थना की है।

खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में राजस्व वसूली में किया बेहत प्रदर्शन

डीसी ने जिला खनन टास्क फोर्स के साथ लगातार की गई बैठक व अवैध कारोबार पर की गई कार्रवाई का दिखा असर

इस वित्तीय वर्ष में भी लक्ष्य के विरुद्ध मई तक 12065.31 की राजस्व की वसूली

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः उपायुक्त वरुण रंजन द्वारा जिला टास्क फोर्स की लगातार की गई बैठक व अवैध कारोबार पर लगातार की गई कार्रवाई खनन उद्योग के क्षेत्र में बेहतर परिणाम दिया है। खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2022-23 में राजस्व वसूली में बेहतर प्रदर्शन करते हुए राज्य में छट्ठा स्थान प्राप्त किया। वहीं सिर्फ पत्थर उद्योग की बात करें तो राजस्व वसूली में राज्य में दूसरे स्थान पर रही। वित्तीय वर्ष 2022-23 में खनन विभाग को राजस्व वसूली के लिए 521.25 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त हुआ था। जिसके विरूद्ध खनन विभाग द्वारा 539.29 करोड़ की राजस्व की वसूली की है। वहीं वर्तमान वित्त वर्ष 2023-24 में खनन विभाग को 759.75 करोड़ रुपए लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके एवज में खनन विभाग ने मई 2023 तक 120.65 करोड़ रुपए के राजस्व वसूली कर चुकी है। उपायुक्त के निर्देश पर लगातार अवैध उत्खनन व परिवहन के किए गए कार्रवाई के कारण वर्तमान वित्तीय वर्ष में लक्ष्य के विरुद्ध खनन विभाग द्वारा अधिक वसूली करने में सफलता पाई है। उपायुक्त ने जिले के विभिन्न स्थानों में स्वयं उपस्थित होकर अवैध उत्खनन व परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की है। इस वर्ष अप्रैल व मई सिर्फ दो माह में खनन विभाग ने अवैध पत्थर परिवहन मामले में 27 वाहनों को जब्त किया है। वहीं सात के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई है। इसके अलावा अवैध तरीके से बालू परिवहन मामले में 36 वाहनों को जब्त किया गया है। वहीं आठ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई हैं। वहीं दो क्रशर पर भी कार्यवाई की गई है। इसके अलावा अवैध भंडारण मामले में 16.03 लाख रुपए का

जुर्माना भी वसूला गया है।

- **लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है खनन विभाग**

पाकुड़ खनन विभाग लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रही है। खनन विभाग की ताबड़ तोड़ कार्रवाई ने राजस्व वसूली में बेहतर परिणाम दिया है। अवैध उत्खनन मामले में 2020-21 में 29 लोगों पर 14 एफआईआर दर्ज की गई। इसके अलावा अवैध

- **उपायुक्त ने कहा किसी भी सूरत में नहीं दिया जाएगा अवैध गतिविधियों को बढ़ावा**

परिवहन मामले में 234 वाहनों को जब्त किया। साथ ही 395.00 करोड़ प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध 383.55 करोड़ का लक्ष्य प्राप्त किया। वहीं 2022-23 में 103.46 प्रतिशत की लक्ष्य की प्राप्ति की है। वहीं अवैध उत्खनन मामले में 17 मामले दर्ज किए। इसके अलावा अवैध परिवहन मामले में 310 वाहनों को जब्त किया।

उपायुक्त श्री वरुण रंजन ने कहा कि जिले में किसी भी सूरत में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। जिला अंतर्गत अवैध खनन भंडारण एवं परिवहन रोकने को लेकर संबंधित पदाधिकारियों, थाना प्रभारियों को संयुक्त रूप से औचक छापेमारी करने एवं इसमें संलग्न व्यक्तियों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया दिया गया है। साथ ही अनियमितता पाए जाने पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई करने की बात कही गई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में मई माह तक कहा से मिला कितना राजस्व

मद		समाहरण
कोयला	:-	9262.03 लाख
पत्थर	:-	2431.83 लाख
माइनिंग फी	:-	41.09 लाख
ईएनवी फी.	:-	24.60 लाख
आवेदन शुल्क व अन्य	:-	2.50 लाख
काङ्ग विभाग/ जुर्माना	:-	303.26 लाख

बायोफोर्टिफाईड बाजरा की खेती पर एक दिवसीय कार्यशाला का किया गया आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुडः जिले के लिट्टीपाड़ा, हिरणपुर, महेशपुर एवं अमड़ापाड़ा प्रखंड के 50 पहाड़िया गांव के 2000 किसानों के साथ बायोफोर्टिफाईड बाजरा की खेती हेतु जेएसएलपीएस एवं हार्वेस्ट प्लस के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन चास हाट फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सभागार में जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री प्रवीण मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। प्रशिक्षक हारवेस्ट प्लस के स्वाधीन पटनायक एवं प्रतीक कुन्याल के द्वारा बायो फोर्टिफाइड बाजरा के बीज़ की खेती करने की प्रकिया पे विस्तारपूर्वक जानकारी दिया गया तथा बतलाया गया कि इसमे कम पानी एवं कम लागत

लगता है और ज्यादा मुनाफा होता है जिससे कि पहाड़िया समुदाय की आर्थिक स्तिथि में सुधार होकर आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बन सकते है। प्रशिक्षक के द्वारा बतलाया गया कि बाजरा में जिंक और आयरन की मात्रा काफी अधिक होने के कारण इसके सेवन से स्वास्थ्य के लिए ये काफी लाभदायक है तथा बच्चो में कुपोषण को काफी हद तक कम करेगा। इस कार्यशाला में पूर्वी सिंहभूम के जेएसएलपीएस के कर्मी भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़कर इस प्रशिक्षण का लाभ उठायें है। इस कार्यशाला में पाकुड एवं दुमका के वाईपी श्वेता, सुभम, अभिमन्यु, अनूप,विश्वजीत आदि के साथ जिले के सभी बदलावकर्ता उपस्थित थे।

डीसी के निर्देश पर अवैध परिवहन1 व खनन को लेकर चला जांच अभियान

- **पाकुड़ में ओवरलोड तीन गिट्टी लदा ट्रैक्टर जब्त**

पाकुड़ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरूण रंजन के निर्देश पर लगातार अवैध परिवहन व अवैध तरीके से बालू उठाव व भंडारन के खिलाफ खनन टॉस्क फोर्स की टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान गुरूवार को भी खनन टॉस्क फोर्स की टीम द्वारा विभिन्न जगहों पर कार्रवाई की गई. इस क्रम में सदर अंचल में एसडीओ श्री हरिवंश पंडित, अंचालाधिकारी श्री आलोक वरन केशरी एवं एसडीपीओ अजित कुमार विमल द्वारा जांच अभियान चलाया गया। इस क्रम में इसाकपुर रोड पर सिंधीपाड़ा के पास वाहन जांच के क्रम में तीन गिट्टी लदा ट्रैक्टरों की जांच की गई। जांच के क्रम में उक्त ट्रैक्टरों के पास वैध चालान तो उपलब्ध था, पर वाहन में मात्रा से अधिक वहन किए जाने के कारण उक्त ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया। वहीं महेशपुर के विभिन्न बालू घाटों में अंचालाधिकारी रितेश जयसवाल औचक निरीक्षण किया गया। साथ ही बालू चालान की जांच की गई।

अनुसमर्थन दल ने ग्रामीण विकास विभाग के विभिन्न योजनाओं का किया निरीक्षण

- **जिले में मनरेगा,पीएम आवास ग्रामीण, अमृत सरोवर एवं जेएसएलपीएस के तहत किए गए कार्यों का लिया जायजा**

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ः राज्य ग्रामीण विकास अनुसमर्थन मिशन 2023 के तहत अनुसमर्थन दल ने गुरुवार को जिले के महेशपुर प्रखंड के विभिन्न पंचायतों जैसे गायबथान, खानर्पु का क्रमवार निरीक्षण किया। इस दौरान दल ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा), झारखंड स्टेट लाइवलीहूड

प्रमोशन सोसाइटी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण आदि के तहत जिले में हुए कार्यों का जायजा लिया।अनुसमर्थन दल में ग्रामीण विकास विभाग की अवर सचिव अशोक कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी संतोष कुमार पाण्डेय एवं राज्य समन्वयक निहार रंजन शामिल थे। टीम ने क्रमवार महेशपुर प्रखंड के गायबाथन एवं खानपुर, जयपुर पंचायत में मनरेगा /अमृत सरोवर /प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण / जेएसएलपीएस के तहत चल रहे योजनाओं का निरीक्षण किया/लाभुकों से संवाद किया। मौके पर नोडल पदाधिकारी- सह-सहायक अभियंता शयाम दत्त शुक्ला, प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी रिज़वान फारुकि, सहायक अभियंता भूतनाथ रज़क, उत्तम कुमार वैध कनीय अभियंता सुजित मंडल, मुकेश मुर्मु ,सुरज कुमार प्रिंस, रोजगार सेवक, सीएफपी कर्मी एवं योजनाओं के लाभुक उपस्थित थे।

उच्च स्तरीय तीन सदस्य जांच टीम ने रिची अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)ः (झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)। उपायुक्त वरुण रंजन के निर्देश पर एक उच्च स्तरीय तीन सदस्य जांच टीम ने गुरुवार को रिची अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांट का निरीक्षण किया। टीम के सदस्य डीएस डॉ एस के झा ने बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर तीन सदस्य टीम में जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, कार्यपालक दण्डाधिकारी आसुतोष कुमार व स्वयं मैं भी टीम में शामिल थे। उन्होंने बताया कि कोरोना काल मे लिट्टीपाड़ा स्थित आइटीडीए द्वारा संचालित रिंची अस्पताल में ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था। जो जिला का कोविट केंद्र था। वह ऑक्सीजन प्लांट तत्काल काम कर रहा है कि नही और किस स्थिति में है. जिसकी जांच की गई और इसका जांच रिपोर्ट टीम के द्वारा उपायुक्त को सोपा जाएगा।

पैनम रोड़ पर ट्रैक्टर के चपेट पर आने से बाइक चालक का मौत, सड़क जाम

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर(पाकुड)ः हिरणपुर थाना इलाके के वन-पोखरिया पाकुड़ अमडापाडा लिंक रोड के पास ट्रैक्टर और बाइक के बीच सीधी टक्कर जिसमे बाइक सवार चालक का घटनास्थल पर ही मौत हो गई है। मृतक की पहचान हिरणपुर थाना क्षेत्र के सिमलढाव गांव निवासी सिरगा पहाड़िया 20 वर्ष के रूप में किया गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बाइक चालक पाकुड से पैनम रोड होते हुए अपने घर सीमालढाब जा रहा था इसी दौरान अनियंत्रित एक ट्रैक्टर ने वन पोखरिया के पास मोटरसाइकिल चालक सीरगा पहाड़िया को धक्का मार दिया जिससे घटनास्थल

पर ही युवक का दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया। वही हिरणपुर पुलिस समाचार भेजने तक जाम को नहीं हटा पाया है वही परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

साप्ताहिक हाट हिरणपुर में जमकर बिका पहाड़ी आम

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

हिरणपुर(पाकुड)ः आम का सीजन का शुरुआत हो चुका है आज सप्ताहिक हॉट हिरणपुर में खूब बिका आम। इन दिनों भीषण गर्मी के चलते आम पकना शुरू हो चुका है। वहीं बाजारों में अब पहाड़ी इलाकों से आम के साथ-साथ डहुआ फल आदिवासी समाज के लोग बेचना शुरू कर दिया है। यह आम आमतौर पर बाजारों में बिकने वाले आम से अलग होता है...

यह आम दूसरे आम के साइज की तुलना में छोटे होते है। इस आम को लोग का×फी पसंद करते हैं। यह आम मिठा भी होता हैं.यह आम

सिर्फ पहाड़ी इलाकों में पाया जाता है। वहीँ भीषन गर्मी में यह महिलाएं और पुरुष पहाड़ी क्षेत्र से आम लाकर बाजार में बेचते है। काफी सस्ते होते है। यह आम 10 से 15 रूपये किलो में बिकते है।जिस वजह से उनका उतना पैसा भी नहीं होती हैं। वहीं महिलाएं बताती हैं की एक दिन पहले आम को तोड़कर घर में रखते हैं फिर दूसरे दिन बाजार में लाकर कड़ी धुप में बैठ कर आम बेचते हैं. एक डलिया आम बेचने पर सिर्फ 200 से 300 तक ही होती हैं। जिसमें से 50 से 60रूपये का खर्च भी होता हैं। पर करें भी तो क्या करे आम के सीजन में इसी से किसी तरह परिवार चलाने में मदद मिल जाती हैं। महिलाएं अपनी दर्द बताते हुए कहते कि पिछले साल अच्छी बारिश नहीं होने पर खेती बाडी भी ठीक ढंग से नहीं हो पाया और लगता है इस साल भी बारिश की संभावना नहीं के बराबर दिख रहा है जिसके चलते प्राकृतिक रूप से जो भी फल सब्जी होता है उससे बेचकर अपना और अपने बाल बच्चे का भरण पोषण करते हैं।

जिला रोस्टर में ओबीसी आरक्षण शून्य करने के खिलाफ बढ़ता जा रहा है पिछड़ों का आक्रोश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। ओबीसी आरक्षण समेत विभिन्न मांगों को लेकर उपराजधानी दुमका में पिछड़ो का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। बताते चलें कि पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के बैनर तले लगातार आंदोलन किया जा रहा है।मोर्चा का कहना है कि झारखंड में पिछड़ा वर्ग को सांवैधानिक अधिकार के तहत दिए गये 27% आरक्षण को भाजपा सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने घटाकर 14% कर दिया एवं दुमका जिला रोस्टर में पिछड़ों का आरक्षण शुन्य कर पिछड़ा समाज के पेट पर लात मारने का काम किया है।हेमन्त सरकार द्वारा भी वादा खिलाफी कर जिला रोस्टर में आर्थिक कमज़ोर वर्ग के खास चार जातियों में रेवड़ी जैसा दस प्रतिशत आरक्षण बांटकर ओबीसी के साथ चरम अन्याय करने का काम किया है। इसके खिलाफ पिछड़ा समाज का आक्रोश दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा हैं।इसी को लेकर आज गुरुवार को पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा जिला दुमका के जरमुण्डी प्रखंड अन्तर्गत बनवारा पंचायत के बॉधडीह गॉव में एक बैठक आयोजित की गई जिसमें आगामी 11 जून रविवार को आयोजित पिछड़ा जन जागरण सह रात्रि चौपाल कार्यक्रम की समीक्षा की गई।मौके पर पिछड़ा वर्ग संघर्ष मोर्चा के जिलाध्यक्ष जयप्रकाश यादव झारखण्ड की नियोजन नीति पर जमकर बरसे।उन्होंने कहा कि भाजपा और झामुमो दोनों ने मिलकर पिछड़ा वर्ग के साथ छल,प्रपंच और धोखेबाजी किया है। बाबुलाल मरांडी ने पेट पर लात मारा तो हेमन्त सोरेन ने सीधे गला ही काट डाला। झारखंड की गलत नियोजन नीति के कारण बाहर के लोग यहां नौकरी खरीद रहे हैं, वहीं झारखंड के मुलवासी-पिछड़ो को अपने घर में पराया होकर रोजगार से वंचित होना पड़ रहा हैं।आज झारखण्ड के छात्र व युवा-वुद्धिजीवी वर्ग बाध्य होकर आंदोलन कर रहे हैं और दूसरी तरफ पिछड़ा विरोधी यह फांसीवादी सरकार छात्र युवाओं को पुलिसिया दमन के साथ साथ झूठे मुकदमे दायर कर नोटिस भेजकर प्रताड़ित करना रही हैं। झारखंड राज्य निर्माण के 23 वर्ष बीत जाने के बाद भी पढ़ाई लिखाई,रोजगार, राजनैतिक अधिकार से पिछड़ा वर्ग को वंचित करने के विरुद्ध संघर्ष मोर्चा वृहद जनांदोलन की तैयारी में जुट गया है।आगामी कार्यक्रम की तैयारियों के लिए क्षेत्र के गांव गांव में रात्रि चौपाल का आयोजन किया जा रहा है।संघर्ष मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव ने कहा कि हमारी प्रमुख मांगे हैं,राष्ट्रीय मानक के अनुरूप पिछड़ों को 27%आरक्षण दिया जाय,जाति जनगणना कराकर जनसंख्या के अनुसार आरक्षण दिया जाय,दुमका जिला रोस्टर में संशोधन कर 27%आरक्षण देने के पश्चात ही नियुक्ति प्रक्रिया प्रारंभ की जाय ताकि दुमका जिला के पिछड़े अभ्यर्थी नौकरी पाने से वंचित न रह जाये, खतियान आधारित नियोजन नीति बनायी जाय,दुमका विश्वविद्यालय के अन्तर्गत सभी कांलेजों में पिछड़े छात्र-छात्राओं के लिए होस्टल सुविधा उपलब्ध कराई जाय,पंचायत को ईकाई मानकर अनुसूचित क्षेत्रों का निर्धारण कर जनसंख्या के अनुसार मुखिया से लेकर जिला परिषद के पदों पर पिछड़ों के लिए उचित आरक्षण दिया जाय।यदि सरकार हमारी मांगों के प्रति विवेकशील दृष्टिकोण नहीं अपनाती हैं तो यह लड़ाई गांव से लेकर संसद तक लड़ी जायगी।बैठक मे जिलाध्यक्ष जय प्रकाश यादव के साथ केन्द्रीय महासचिव रंजीत जयसवाल,अमीक माँझी , शिवनदन मडल,महेन्द्र मंडल,दशरथ मांझी,युगल मंडल,पदो मंडल , मनोज माझी,अनन्त मडल,राणो देवी,झूना देवी,भैरो मंडल,दर्लभ मंडल,भादो मंडल सहित दर्जनो साथी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

बीजीआर यंग अचीवर्स अवार्ड का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिला मुख्यालय के हरिणडांगा स्थित हाईस्कूल मैदान में बीजीआर यंग अचीवर्स अवार्ड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त वरुण रंजन, निदेशक बीजीआर माइनिंग रोहित कुमार रेड्डी, उप विकास आयुक्त मोहम्मद शाहिद अख्तर, डीएसपी वैद्यनाथ प्रसाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में सम्मिलित हुए जहां सभी अतिथियों का स्वागत पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत उपायुक्त वरुण रंजन, निर्देशक,बीजीआर माइनिंग रोहित रेड्डी,उप विकास आयुक्त मो.शाहिद अख्तर,जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम में जिला के मेधावी छात्र- छात्राओं में राजकुमार दे, पंकज पाल, आदित्य नारायण ठाकुर, प्रिया कुमारी भगत, तनीषा आनन्द, प्रीति कुमारी झा को एक-एक लाख का चेक,मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं स्मार्ट वॉच देकर सम्मानित किया। कुल 28 छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।उपायुक्त वरुण रंजन ने जिले के सभी छात्र-छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपायुक्त ने कहा कि सभी छात्र-छात्राएं मिलकर यह प्रण ले या शपथ लें कि आने वाले समय में पाकुड़ जिला में शिक्षा पद्धति को सृजित कर सकें।उपायुक्त वरुण रंजन ने सभी छात्र- छात्राओं को शिक्षा संबंधित कई टिप्स भी दिए। वहीं बीजीआर के डायरेक्टर रोहित रेड्डी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि कंपनी हर वर्ष शिक्षक दिवस के अवसर पर जिले के मेधावी छात्र- छात्राओं को सम्मानित व पुरस्कृत करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही लोगों में और समाज में बदलाव लाया जा सकता है..

अग्निशमन गतिविधियों को लेकर एक दिवसीय प्रमंडलीय कार्यशाला का आयोजन

देवघर। प्रशिक्षण निदेशालय झारखंड रांची के निर्देशानुसार जिला अग्निशमन पदाधिकारी श्री गोपाल यादव द्वारा संथाल परगना क्षेत्र के सभी छह जिलों के 345 सहायक अवर निरीक्षक को अग्निकांड से बचाव हेतु प्रशिक्षण-सह-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कुमैठा स्टेडियम में किया गया। इस दौरान अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा जानकारी देते हुए कहा कि आपदा कभी भी आ सकती है और इसके लिए हमें हमेशा तैयार रहना होगा। प्रशिक्षण के माध्यम से हमे इस बात की जानकारी मिलती हैं कि आग लगने की संभावनाओं को कैसे कम किया जाए और अगर आग लग भी जाय तो किस तरह से उसपर काबू पाई जाए, ताकि कम से कम जान माल का नुकसान हो। इसके अलावा एक दिवसीय प्रमंडलीय कार्यशाला के दौरान जिला अग्निशमन पदाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण के दौरान पुलिस पदाधिकारियों द्वारा आग क्या है, यह कितने प्रकार का होता है, इस पर कैसे काबू पाया जाए, आग लगने पर क्या करना चाहिए व क्या नही करना चाहिए आदि बातों की जानकारी दिया गया। सबसे महत्वपूर्ण बात प्रशिक्षण का ये है कि आग लग जाने पर हमे ज्यादा पैनिक नही होना चाहिए बल्कि स्वयं पर काबू रखते हुए लोगो के जान माल को कैसे बचाया जाय ताकि कम से कम नुकसान हो सके। इस दौरान सभी पुलिस पदाधिकारियों को अग्निशमन यंत्र का किस तरह से प्रयोग किया जाना चाहिए आदि बातों कभी प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावे प्रशिक्षण में ये भी जानकारी दिया गया कि आगजनी अगर बृहतस्तर पर होने पर 112 को डायल करना के साथ ही साफ-साफ पूरा पता बताए ताकि अग्निशमन गाड़ी त्वरित गति से पहुंच सके। इस दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावे पीटीसी पदमा के प्रशिक्षक श्री टी सिंह चांद व संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मिगण आदि उपस्थित थे।

चौथी रैंकिंग रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन पर रिशव को सम्मानित किया गया

बड़कागांव। खेलगांव रांची में आयोजित चौथी रैंकिंग रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में बड़कागांव प्रखंड के बादम पंचायत अंतर्गत ग्राम बाबूपारा निवासी रिशव अभिजीत ने फाइनल तक का सफर तय किया। रिशव को कोई मेडल नहीं मिला लेकिन अपने प्रदर्शन से लोगों को काफी प्रभावित किया। रिशव के इस शानदार प्रदर्शन के लिए बादम पंचायत सचिवालय में पंचायत की मुखिया सुनीता देवी के पहल पर मेडल, डायरी और कलम देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान पंचायत समिति सदस्य राजा खान और पूर्व मुखिया दीपक दस ने कहा के रिशव ने पूरे पंचायत सहित बड़कागांव प्रखंड का नाम रौशन किया। हम रिशव के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। मौके पर जेएसपीएल प्रखण्ड समन्वयक रामप्रकाश कुमार, पीआरपी निरंजन कुमार, पंचायत समिती सदस्य प्रतिनिधि संतोष मेहता, जेएसपीएल डीईओ अखिलेश सिंह, सीएलएफ अध्यक्ष शांति देवी, सचिव कंचन देवी, सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन कराने को लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भाजपा जिला कार्यालय दुमका में जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन के अध्यक्षता में आगामी 15 जून को होने वाले दुमका विधानसभा स्तरीय सभी पांच मंडल के सभी सातों मोर्चा के संयुक्त मोर्चा सम्मेलन को सफल करने के निमित्त तैयारी बैठक आयोजन किया गया. भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश जिला मंडल के स्तर तक सभी मोर्चा के अलग अलग सांगठनिक कार्यों का पुनर्मूल्यांकन उसका विस्तारीकरण सम्मेलन आयोजित किया गया है .इस में दुमका जिला सभी मंडलों में विधानसभा वार मोर्चा का संयुक्त सम्मेलन किया जाना है दुमका विधानसभा स्तरीय बैठक मैं प्रदेश द्वारा प्रभारी के रूप में नियुक्त , भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष रेणुका मुर्मू विशेष रूप से उपस्थित हुए जिन्होंने उपस्थित सभी मंडलों से आए मोर्चा के अध्यक्षों से सांगठनिक रूप से कई जानकारियां साझा किया., दुमका विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन कराने की, संगठन की जवाबदेही, प्रदेश द्वारा महिला मोर्चा केजिम्में दिया गया है.जिला महामंत्री विवेकानंद राय के द्वारा संचालित किए जा रहे इस बैठक में मंडल से आए सभी सात मोर्चा के अध्यक्षों को अलग-अलग संगठन के आगामी कार्यक्रम की जानकारी दी गई एवं मोर्चा के सभी पदाधिकारी एवं कार्य समिति के सदस्य विधानसभा स्तरीय संयुक्त मोर्चा के कार्यकर्ता सम्मेलन में अपने कमेटी के सभी लोगों को लेकर चर्चा में कैसे पहुंचे इन विषयों पर विस्तृत रूप से विचार विमर्श किया गया.दुमका विधानसभा के 5 मंडल दुमका सदर, दुमका ग्रामीण, मसलिया पूर्वी मसलिया पश्चिमी, और दुमका नगर के आए हुए मोर्चा अध्यक्ष ने आगामी 10 जून तक अपने-अपने मंडल में अपनी कमेटी का बैठक करने एवं शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ आगामी 15 जून को संयुक्त मोर्चा के सम्मेलन में उपस्थित होने का संकल्प लिया.भारतीय जनता पार्टी के द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर चलाए जा रहे महा जनसंपर्क अभियान के निमित्त कार्यक्रम में सभी मोर्चा के द्वारा भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में अपने दायित्वों का निर्वाह करते हुए गांव के एक एक अंतिम व्यक्ति तक संपर्क स्थापित कर आदरणीय नरेंद्र मोदी के द्वारा पिछले 9 वर्षों में किए गए विकास कार्य पर लोगों के साथ संवाद स्थापित करने और उनसे पार्टी के दिए गए नंबर पर मिस कॉल करवाने के तौर-तरीके पर भी विचार विमर्श किया गया. कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी प्रदेश के उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी, महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष अमिता रक्षित, किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष जयप्रकाश मंडल, युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष रूपेश मंडल, महिला मोर्चा का जिला अध्यक्ष नीतू झा, अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला अध्यक्ष श्रीधर दास, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला अध्यक्ष फारूक अनवर, ओबीसी मोर्चा के नगर अध्यक्ष प्रकाश धिबार, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के जिला महामंत्री दिनेश मरांडी, किसान मोर्चा का मंडल अध्यक्ष कृष्णा महतो, रोहित नंदी, महिला मोर्चा की लता देवी सोनाली सहा, उषा दास एवं अन्य मोर्चा अध्यक्ष उपस्थित हुए.उपरोक्त जानकारी दुमका भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पिंटू अग्रवाल ने दिया।

पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम नया स्टार्टअप की शुरुआत करने में मददगार साबित होगी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के कार्यालय में राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 5 जून से 9 जून तक पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम चलाया जा रहा है यह कार्यक्रम उद्यमिता के विकास और कौशल को बढ़ावा देने के साथ विभिन्न क्षेत्रों में नए उद्यमियों को प्रेरित करने. जिनमें सृजनात्मकता, वैज्ञानिक मानसिकता, प्रौद्योगिकी और वित्तीय संप्रबंधन के दम पर नई पहचान बनाने की क्षमता विकसित हो सके के उद्देश्य से चलाया जा रहा है. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई दुमका मेन ब्रांच के सीएम आर. एस. पांडे एवं उनके कर्मचारी सौम्या राज, निरेन कुजूर, आदि का स्वागत उद्यमिता का प्रशिक्षण ले रहे प्रशिक्षणार्थियों ने स्वागत गीत गाकर किया. तत्पश्चात जन शिक्षण संस्थान के प्रभारी निदेशक श्रीमती अन्नू ने जन शिक्षण संस्थान के बारे में विस्तृत जानकारी दिया. एवं बताया कि हमारी संस्था 15 से 45 आयु वर्ग के युवक-युवतियों को विभिन्न ट्रेडों में प्रशिक्षण उपलब्ध कराती है एवं उन्हें रोजगार से जोड़ने का भरसक प्रयास करती है. हमारे प्रशिक्षण केंद्रों से प्रशिक्षण प्राप्त कर कई सारे युवक-युवतियों ने खुद का बिजनेस स्टार्ट कर दिया है. कुछ लोग ऐसे भी हैं जो अभी नया स्टार्टअप शुरू करने वाले हैं तो उन लोगों के लिए यह पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम उन्हें अपना नया स्टार्टअप की शुरुआत करने में मददगार साबित होगी. इसी कड़ी में एसबीआई मैन ब्रांच दुमका के सीएम आर.एस.पांडे ने प्रशिक्षणार्थियों को नए स्टार्टअप के लिए उद्योग विभाग से दिए जाने वाले लोन के बारे में जानकारी दिया एवं यह आस्वस्थ किया की भारतीय स्टेट बैंक आपकी नई स्टार्टअप की शुरुआत के लिए हर संभव मदद करने को तैयार है. इसी बीच जी20 जनभागीदारी कार्यक्रम के तहत जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका द्वारा पोस्टर मेकिंग कंपटीशन कराया गया साथ ही आज के कार्यक्रम में नीसबड नोएडा की ओर से जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के कार्यालय में नेशनल ऐसे कंपीटशन भी कराया गया.

इस कार्यक्रम को सफल बनाने में जन शिक्षण संस्थान विकास भारती दुमका के प्रभारी निदेशक श्रीमती अन्नू, कार्यक्रम पदाधिकारी दीपक कुमार सिंह, भुवन चन्द्र तिवारी कार्यक्रम समन्वयक नीसबड नोएडा , सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी (आजीविका) दर्शन हेंब्रम, अकाउंटेंट प्रदीप कुमार शर्मा, एमआईएस श्रीराम कुशवाहा, मोबिलाइजर आनंद कुमार एवं सविता किस्कू, राजकुमार हेंब्रम, रोहित कुमार केशरी, मन्नू शील, स्नेहा कुमारी, संगीता देवी, नीतू कुमारी, सुषमा देवी, पूजा कुमारी, शेफाली देवी, आजमी खातून, मालती रानी, निखत परवीन, पूजा कुमारी, शोभा कुमारी, नाजिया खातून, शर्मिला मिश्रा, सुष्मिता मरांडी, विनीता दास, पुष्पा कुमारी किस्कू, बबली खातून, माला देवी, रिमझिम कुमारी, प्रीति कुमारी, संगीता कुमारी, के साथ सैकड़ो प्रशिक्षणार्थियों ने अहम भूमिका निभाई.

जलकुंभी से भरा धोबिया तालाब, नहीं दिख रहा पानी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। हजारीबाग। हजारीबाग के सदर प्रखंड स्थित धोबिया तालाब हमेशा विवादों में गिरा रहा है।धोबिया तालाब के आसपास के लोगों के द्वारा तालाब का अतिक्रमण भी किया गया था । जिसको लेकर जिला प्रशासन के पहल पर अतिक्रमण अभियान चलाकर अतिक्रमणमुक्त करवाया था। लेकिन इन दिनों धोबिया तालाब जलकुंभी उसे गिरा हुआ है। स्थानीय लोगों का मानना है कि घनी आबादी वाला यह क्षेत्र हैं और हवा का बहाव तेज होने से आसपास के क्षेत्र में दुर्गंध फैल जाती है । जिससे बीमारियों का डर सता रहा है। विगत कुछ महीने पहले नगर निगम के पहल से 2 से ढाई करोड़ की लागत से मशीन आसपास के तालाबों को साफ करवाने के लिए मंगवाया गया था और यह मशीन धोबिया तालाब में भी दो बार साफ सफाई के लिए लगाई गई। लेकिन वर्तमान में स्थिति जस की तस है।और जलकुंभी से भरा होने के वजह से कभी भी आकस्मिक दुर्घटना की संभावना बनी हुई है ।

20 से 30 जून तक महाजनसंपर्क अभियान के साथ साथ किया जाएगा लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड के तरबंधा स्थित सांसद आवास में बुधवार के देर शाम भाजपा की ओर से वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ भोजन एवं परिचर्चा विषय पर एक दिवसीय कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री कार्यकाल के 9 वर्ष पूरे होने पर वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ परिचर्चा की गई और दुबारा नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाए जाने के लिए डोर टू डोर कैंपेन के लिए कार्यकर्ताओं का आ''ान किया गया। अवसर पर जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन ने कहा कि 11 जून को आयोजित पूर्व मुख्यमंत्री राजस्थान वसुंधरा राजे सिंधिया की रैली कार्यक्रम किसी कारणवश स्थगित हो गयी है जो अगले निर्धारित तिथि व समय पर होगी। लेकिन भारतीय जनता पार्टी द्वारा 1 जून से 30 जून तक महाजनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है और 20 से 30 जून तक महाजनसंपर्क अभियान के साथ साथ लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन किया जाना है,जिससे जिला से पंचायत स्तर के अधिकारी एवं मंडल कार्यसमिति द्वारा महा जनसंपर्क अभियान के तहत डोर टू डोर कैंपेनिंग की जाएगी और घर घर पत्रक वितरण किया जाना है।जिसके लिए जिला स्तरीय टीम द्वारा सभी प्रखंडों का दौरा कार्यक्रम निर्धारित है हर एक टीम को मंडल कार्यसमिति के सदस्यों के साथ लाभार्थी सम्मेलन के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क कर पत्रक घर-घर देना है और लाभार्थी से मिलकर मिस कॉल करना है ताकि प्रधानमंत्री के 9 वर्ष के कार्य काल में हुई उपलब्धि की जानकारी लाभार्थी तक पहुंचे और दुबारा प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी को मौका दें। सांसद सुनील सोरेन ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का हम लोग कार्यकर्ता सम्मेलन में स्वागत करते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी के 9 वर्ष पूरे होने पर सभी कार्यकर्ताओं के साथ परिचर्चा का आयोजन किया गया हैजिसमें लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की उपलब्धि को घर घर तक पहचाना है।आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर आम जनता से सम्पर्क हेतु डोर टू डोर कैम्पेनिंग करने का महाजनसंपर्क अभियान शुरू किया गया है।जिसमे घर घर जाकर पत्रक देकर केंद्र सरकार की उपलब्धियों को बताना है और दोबारा नरेंद्र भाई मोदी को देश का प्रधानमंत्री चुने जाने के लिए आम जनता से निवेदन करना है ।इसके लिए हर घर कैंपेनिंग का प्रोग्राम 20 से 30 जून तक होना है। इसके लिए महाजनसंपर्क अभियान कार्यक्रम शुरू किया गया है और यह संदेश घर-घर भेजा जा रहा है ताकि प्रधानमंत्री के कार्य काल में किए गए कार्यों को डोर टू डोर कैंपेनिंग के तहत लाभार्थी तक पहुंचाया जा सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन ने की,जबकि कार्यक्रम का संचालन महामंत्री विवेकानंद राय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन जिला उपाध्यक्ष गौरव कांत द्वारा किया गया। मौके पर जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन,प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, जिला महामंत्री विवेकानंद राय,दीपक स्वर्णकार,युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार,कार्यसमिति सदस्य रवि कांत मिश्रा,उपाध्यक्ष गौरव कांत,सांसद प्रतिनिधि मुन्ना सिंह, सीताराम मिश्र,राजू दर्वे,इंद्रकांत यादव,हराधन मरिक,कालेश्वर लायक,रामजस मांझी,पंकज कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे ।

क्षणिकाएँ

श्रेय

1.
वो ,
उनके पूछे गए ,
सवालों का जवाब,
तकनीकी तौर पर,
दो टूक साफ- साफ,
सुर्खियों में लाजवाब देते है;
गलतियों का सेहरा,
पहना औरों को ,
श्रेय सफलता का ,
नाम अपने ले लेते है ।

इरादा

2.
वो,
बातों पे उनके,
आपत्ति जताते है,
इसलिए,
माफी मांगने की बाते दुहराते है,
पर,
वो अब भी,
जिद्द पर अड़ा है,
फैसले पर खड़ा है,
विश्वास से भरा है,
फैसले से अपने,
हटने वाले नहीं,
झुकने वाले नही,
शायद,
इसलिए भी कि,
वो,
राहुल सावरकर नही।

बेगैरत

3.
वो,
अक्सर ,
इधर- उधर की बातों से,
जनता को उलझाते है,
हकीकत से,
कोसों दूर ले जाकर,
कंफ्यूजन का माहौल बनाकर,
काम बेगैरत कर जाते है ।

स्वार्थ

4.
वो,
लोगों में,
अथाह प्रेम बांट रहे है;
जाति, धर्म के नाम,
फूल व काँटों की तरह,
हमे छाँट रहे है।

प्रस्तुति
डॉ विनोद कुमार शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
सिकामु विवि, दुमका ।

ईडी ने कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को कोर्ट में किया पेश, भेजे गए जेल

रांची। रांची के बरियातू स्थित सेना के जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार आरोपित कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने कोर्ट से रिमांड के लिए पांच दिनों की इजाजत मांगी थी लेकिन अदालत ने दोनों को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया। रिमांड पर शुक्रवार को सुनवाई होगी।

उल्लेखनीय है कि इन दोनों की गिरफ्तारी बुधवार को देर रात कोलकाता से हुई थी ।

रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री की जांच ईडी कर रही है। इस मामले में अब तक ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सेना के कब्जे वाली जमीन के दस्तावेज में फजीर्वाड़ा कर बेचने वाले कथित रैयत प्रदीप बागची ने जिस जगतबंधु टी इस्टेट को सेना के कब्जे वाली जमीन की रजिस्ट्री की थी उस कंपनी में अमित अग्रवाल भी दिलीप घोष के सहयोगी हैं। दिलीप घोष को ईडी ने पहले समन किया था लेकिन वे नहीं पहुंचे थे।

जमीन घोटाले में पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजे गये जमीन कारोबारी अफसर खान ने ईडी के सामने निलंबित आईएएस छवि रंजन की पोल खोली थी। उसने ईडी को बताया था कि उसके सामने प्रदीप बागची के पक्ष में कागजात तैयार करने के लिए छवि रंजन ने अमित अग्रवाल और प्रेम प्रकाश की उपस्थिति में तत्कालीन बड़गाईं अंचलाधिकारी मनोज कुमार को आदेश दिया था। ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है।

लव जिहाद और यौन शोषण मामले में पीड़ित मॉडल का कोर्ट में बयान दर्ज

रांची। लव जिहाद और यौन शोषण मामले में जुडिशल मजिस्ट्रेट सृष्टि घई की अदालत में पीड़ित मॉडल मानवी राज ने गुरुवार को सीआरपीसी की धारा 164 के तहत बयान दर्ज कराया। बुधवार को रांची पहुंचने पर उसका मेडिकल और कोरोना टेस्ट किया गया था। कोर्ट में मॉडल का बयान दर्ज कराने को लेकर मामले के अनुसंधानकर्ता विवेक कुमार उसके साथ कोर्ट पहुंचे थे। साथ में महिला पुलिसकर्मी भी उनके साथ थी।उल्लेखनीय है कि मॉडल ने रांची के तनवीर अख्तर पर यौन शोषण करने और जबरन धर्म परिवर्तन कर शादी करने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। तनवीर अख्तर रांची में यश मॉडलिंग एजेंसी चलाता था। युवती यहां मॉडिलंग करने आयी थी। इसी दौरान उसका संपर्क तनवीर से बढ़ा था। युवती ने मुंबई के वसोर्वा में मामला दर्ज कराया था, जिसे बाद में रांची के गोंदा थाना को भेज दिया गया। इसके बाद मामले की जांच रांची के गोंदा पुलिस कर रही है।

ग्रामीणों के लिए हमेशा खुला है राजभवन का दरवाजा : राज्यपाल

लातेहार। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गुरुवार को लातेहार सदर प्रखंड के उदयपुरा और मतनाग गांव में ग्रामीणों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि वह खुद तमिलनाडु के एक छोटे से गांव के रहने वाले हैं। इसलिए गांव की परिस्थितियों से वह भलीभांति परिचित हैं।

राज्यपाल ने कहा कि जब उन्होंने झारखंड में राज्यपाल के पद पर शपथ ग्रहण किया था तो उसी समय उन्होंने यह सोच लिया था कि अब ग्रामीणों को राजभवन आने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि राजभवन खुद ग्रामीणों के पास जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के लिए राजभवन का दरवाजा भी हमेशा खुला है। ग्रामीण अपनी किसी भी समस्या को लेकर बेझिझक राजभवन आकर उनसे मिल सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह भारत की एकता का मिसाल है कि तमिलनाडु के एक गांव का रहने वाला व्यक्ति आज झारखंड के गांव में पहुंचकर लोगों से मिल रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि गांव में आकर ग्रामीणों से संवाद करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से जान सके और यह समझ सके कि ग्रामीणों की खुशहाली के लिए और क्या किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि देश का विकास तभी संभव है जब गांव का विकास होगा। हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने धनबाद में हुए बिजली के पोल हादसे में मृत संजय भुइयां और दिनेश भुइयां के परिजनों को मुआवजे की राशि भी प्रदान की। साथ ही समाज के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। सरकारी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद बेहतर रिजल्ट लाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया।इससे पूर्व लातेहार आगमन पर राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पलामू आईजी राजकुमार लकड़ा, लातेहार डीसी भोर सिंह यादव, लातेहार एसपी अंजनी अंजन, डीएफओ रोशन कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन और श्रमिक संघ की बैठक में लिए गए कई निर्णय

रांची। झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन और झारखंड श्रमिक संघ के केंद्रीय कार्य समिति की संयुक्त बैठक केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन की अध्यक्षता में रांची के मोरहाबादी स्थित राजकीय अतिथि शाला में गुरुवार को हुई।

बैठक में यूनियन के संगठनात्मक बिंदुओं, मजदूर और विस्थापितों के ज्वलंत समस्याओं, यूनियन के सदस्यता अभियान तथा संगठन के मजबूती पर गहन विचार किया गया। साथ ही झारखंड के विभिन्न कंपनियों जैसे सीसीएल, बीसीसीएल, ईसीएल, डीवीसी, बोकारो स्टील, टाटा स्टील, इलेक्ट्रो स्टील, एसईसी, टाटा मोटर्स तथा निजी प्रतिष्ठानों के साथ-साथ बंगाल राज्य के ईसीएल क्षेत्रों में संगठन विस्तार करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन एवं झारखंड श्रमिक संघ के संगठन विस्तार करने के लिए सदस्यता अभियान चलाने तथा मजदूर-विस्थापितों के ज्वलंत समस्याओं को लेकर चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया। मजदूर एवं विस्थापितों के ज्वलंत समस्याओं तथा हेमंत सरकार की ओर से निजी कंपनियों में विस्थापितों एवं स्थानीय को 75 प्रतिशत नियोजन की घोषणा के क्रियान्वयन को लेकर सभी कंपनी के क्षेत्रों में चरणबद्ध आंदोलन करने का निर्णय लिया गया।

केंद्रीय समिति बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय उपाध्यक्ष मथुरा प्रसाद महतो, विजय हांदसा, महासचिव फागु बेसरा, संगठन सचिव विनोद पांडे, शैलेंद्र कुमार मैथी, जय नारायण महतो, विजय रजवार, निशा हेमरोम, सपन बनर्जी, बोधन मांझी, लखी सोरेन, नकुल महतो, हराधन रजवार, अपूर्व सरकार, यूधेश्वर सिंह, रंथू उराव, सोनाराम मांझी, उमाशंकर चौहान, अर्चना गुप्ता, मुरारी ओझा, आरएन सिंह के साथ-साथ यूनियन के सभी केंद्रीय समिति सदस्य उपस्थित थे।

झारखंड के ज्वलंत मुद्दों पर राज्य सरकार को स्पष्ट राय दे कोऑर्डिनेशन कमेटी : दीपक प्रकाश

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने गुरुवार को राज्य के सत्ताधारी गठबंधन को घेरा। उन्होंने 10 जून को झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन की अध्यक्षता में होने जा रही राज्य कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक के लिए जनहित एवं राज्यहित में महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

उन्होंने कहा कि कोऑर्डिनेशन कमेटी राज्य सरकार की अति महत्वपूर्ण कमेटी है, जिसमें गठबंधन दलों के नेता शामिल हैं। उन्हें सरकार में महत्वपूर्ण दर्जा प्राप्त है। सुख-सुविधाएं आवंटित हैं। उन्होंने कहा कि उम्मीद है यह कमेटी राज्य के खजाने पर बोझ नहीं बनेगी, बल्कि अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए राज्य के ज्वलंत मुद्दों पर राज्य सरकार को स्पष्ट राय देगी।

प्रकाश ने कहा कि राज्य में नियोजन नीति, खनिज की लूट, जमीन घोटाला, शराब घोटाला, लंबित निकाय चुनाव, ट्रिपल टेस्ट, बांग्लादेशी घुसपैठ, धर्मांतरण, लव जिहाद, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, राज्य की विधि व्यवस्था, बिजली, पानी, स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव जैसे ज्वलंत मुद्दे हैं जिसपर राज्य कोऑर्डिनेशन कमेटी को गंभीरता पूर्वक चर्चा कर राज्य सरकार को स्पष्ट सलाह देनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्षों से नेता प्रतिपक्ष की मान्यता नहीं देने से लोकायुक्त, सूचना आयुक्त, महिला आयोग जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्थाओं का पद रिक्त हैं, जिसके कारण जनता कार्य प्रभावित हो रहा है। राज्य सरकार की अकर्मण्यता के कारण वित्त आयोग के पद खाली पड़े हैं, जिसके कारण राज्य को 2736 करोड़ रुपये का केंद्रीय अनुदान अधर में लटका है। प्रकाश कहा कि उन्हें भरोसा है कि कोऑर्डिनेशन कमेटी ऐसे सभी ज्वलंत मुद्दों को अपने एजेंडे में शामिल करते हुए चर्चा करेगी।

जेबीवीएनएल के निदेशक ने स्मार्ट मीटर को अपडेट करने की अपील की

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम (जेबीवीएनएल) ने उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर जल्द से जल्द अपडेट करने की अपील की है। ये अपील जेबीवीएनएल के निदेशक मनीष रंजन ने की है। उन्होंने कहा है कि राजधानी रांची में स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से किया जा रहा है लेकिन लोगों की जानकारी के अभाव में मीटर अपडेट नहीं हो पा रहा है, जिससे बिलिंग प्रक्रिया शुरू नहीं हो पायी है।उपभोक्ताओं को इस ओर ध्यान देना चाहिये। साथ ही रांची आपूर्ति क्षेत्र के अधिकारियों को भी कहा गया कि जल्द से जल्द राजधानी में स्मार्ट मीटर इंस्टालेशन कार्य पूरा किया जा सके, जिससे व्यवस्था सुगम हो सके। उपभोक्ताओं से अपील की गयी है कि समय पर बिजली बिल भुगतान किया जायें, जिससे गुणवत्तापूर्ण बिजली मिल सकें।

उल्लेखनीय है कि रांची में जनवरी से स्मार्ट मीटर लगाया जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत पहले एक हजार उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर दिया गया। अब तक 44 हजार उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर मिल चुका है लेकिन पंचिंग ऑन नहीं होने से स्मार्ट मीटर रिचार्ज या बिलिंग अभी नहीं हो पाया है।

गैस एजेंसी के स्टाफ से हथियार के बल पर 46 हजार की लूट

रांची। पिठौरिया थाना क्षेत्र के पतरातु मुख्य सड़क केला बागान के समीप दो बाइक सवार तीन अपराधियों ने गैस एजेंसी के स्टाफ से हथियार के बल पर 46 हजार 400 रुपये लूट कर फरार हो गए। इस संबंध में गुरुवार को कर्मचारी अमित नायक ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

जानकारी के अनुसार आलम इंडेन ग्रामीण वितरक पिठौरिया गैस एजेंसी के स्टाफ अमित नायक और सज्जाद मंसूरी रोजाना की तरह बुधवार को आलम इंडेन ग्रामीण वितरक पिठौरिया से गैस लेकर पिकअप वैन में होम डिलीवरी के लिए निकले। केला बागान, समटोली, बरवाटोली, बाडू, चामा, पतगाई, बुकरू चौक, वास्तु विहार, ग्रीन सिटी, एकता स्टेट, हुसीर, आइटीबीपी से डिलीवरी कर वापस लौट रहे थे। आने के दौरान देर शाम केला बागान के समीप दो बाइक में सवार तीनअपराधियों ने गाड़ी को रुकवाया और गैस लेने की बात कही।

इस पर गाड़ी पर सवार स्टॉप अमित नायक ने कहा कि, गैस नहीं है कल मिलेगा। उन लोगों ने अमित नायक से फोन नंबर मांगा। फोन नंबर देने के दौरान अपराधियों ने अचानक हथियार निकाल कर अमित नायक पर सटाकर करीब 40 सिलेंडर का पैसा 46 हजार 400 रुपये और अमित के पास से 580 रुपये लूट कर तीनों अपराधी दो बाइक में सवार होकर रांची की ओर फरार हो गए। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि मामले को लेकर गुरुवार को प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।

रांची के जंगल में पेड़ से लटका मिला युवती का शव

रांची। जिले के सिकिदिरी थाना क्षेत्र में गुरुवार को लाधुप टुंगरी गांव के जंगल में पेड़ से लटका एक युवती का शव मिला। उसकी शिनाख्त ज्योति कुमारी के रूप में की गयी है। वह अनगड़ा की रहने वाली थी। शरीर में कहीं भी किसी प्रकार के जख्म के निशान नहीं मिले है। आशंका है कि उसने खुदकुशी की है।

युवती का शव देखकर ग्रामीणों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। मृत युवती की हथेली पर आई लव यू पंचानन लिखा हुआ है। पुलिस को घटनास्थल से मृत युवती का मोबाइल और पर्स भी मिला है। थाना प्रभारी सत्यप्रकाश ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला खुदकुशी का प्रतीत होता है। पूरे मामले की जांच की जा रही है।

बिट्टू खान की हत्या मामले में अबतक नहीं मिला कोई सुराग, छापेमारी जारी

रांची। बरियातू इलाके के जमीन कारोबारी तनवीर अहमद उर्फ बिट्टू खान की हत्या मामले में पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस हत्या में शामिल अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। मृतक तनवीर की मां मोशमात नाजमा के बयान पर बिड़ी उर्फ रोहित मुंडा, रोहन श्रीवास्तव, अभिषेक मल्लिक और शुभम विश्वकर्मा को हत्या में नामजद आरोपित बनाया गया है। पुलिस नामजद आरोपितों को गिरफ्तार करने के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। मामले को लेकर एसआईटी टीम का भी गठन किया गया है। टीम को सिटी एसपी शुभांशु जैन लीड कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि टीम मामले को लेकर काम कर रही है। जल्द ही अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार की रात बरियातू थाना क्षेत्र के एदलहातु के टोंटे चौक के समीप दो बाइक में सवार चार अपराधियों ने बिट्टू खान पर फायरिंग की थी। इसमें बिट्टू खान की मौत हो गई थी।

महिंद्रा का डुअल-फ्यूल स्मॉल कमर्शियल व्हीकल लॉन्च

जमशेदपुर।

भारत में स्मॉल कमर्शियल व्हीकल (एससीवी) के मार्केट लीडर महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) ने आज सुप्रो सीएनजी डुओ के लॉन्च की घोषणा की हैं, जो स्मॉल कमर्शियल व्हीकल श्रेणी में पहला डुअल-फ्यूल वाला वाहन है। सुप्रो सीएनजी डुओ अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ पेलोड और श्रेणी में अग्रणी माइलेज प्रदान करता है और ग्राहकों को अधिकतम लाभ के साथ बेहतर प्रदर्शन देने के हमारे वादे पर आधारित है। सुप्रो सीएनजी पेट्रोल और सीएनजी दोनों पर चल सकता है, जिससे ऑपरेटरों को महिंद्रा की प्रसिद्ध विश्वसनीयता और गुणवत्ता के साथ-साथ अग्रणी फ्यूल इकोनॉमी मिलती है। नया सुप्रो सीएनजी डुओ उद्योग में पहली बार डायरेक्ट-इन-सीएनजी स्टार्ट जैसी सुविधाओं से लैस है। इससे सीएनजी मोड में वाहन को चालू करने की सुविधा मिलती है और इस तरह ग्राहक के लिए बेहतर बचत का वादा पूरा किया जाता है। इतना ही नहीं, सुप्रो सीएनजी डुओ अतिरिक्त सुरक्षा और सीएनजी और पेट्रोल विकल्पों के बीच आसान स्विचिंग के लिए इंटेलिजेंट सीएनजी लीक डिटेक्शन की सुविधा भी प्रदान करता है। जानकारी हो कि 6.32 लाख (एक्स-शोरूम दिल्ली) की शुरुआती कीमत के साथ सुप्रो सीएनजी में ग्राहकों को अनेक सुविधाएं मिलती हैं। ग्राहक नए सुप्रो सीएनजी डुओ को कम डाउन पेमेंट के साथ बुक कर सकते हैं और परेशानी मुक्त खरीद और स्वामित्व अनुभव के लिए फाइनेंस संबंधी आकर्षक योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। सुप्रो सीएनजी डुओ अन्य वाहनों से एकदम अलग नजर आता है और इसके अनेक कारण हैं। इसमें 750 किग्रा की सर्वश्रेष्ठ पेलोड क्षमता, अपनी श्रेणी में 75 लीटर की सबसे बड़ी सीएनजी टैंक क्षमता, 325 किलोमीटर की बेहतर रेंज और इसका नतीजा है अधिक व्यावसायिक अवसर और पहले से अधिक कमाई शामिल हैं।

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची ने जारी किया नया समर शेड्यूल

रांची। रांची बिरसा मुंडा एयरपोर्ट ने नया समर शेड्यूल जारी कर दिया। रांची से मुंबई उड़ान भरने वाली एक फ्लाइट के समय में बदलाव भी किया है। हालांकि, इस समर शेडयूल में आकाशा को शामिल नहीं किया है। नया समर शेड्यूल दस जून से लागू हो जायेगा।

नये शेडयूल में 35 विमानों की सूची है। इसमें रांची-मुंबई के बीच शुरू हो रहीं नयी सेवा को शामिल किया गया है।

इसमें चार फ्लाइट गो फर्स्ट के भी हैं, जिसकी सेवा फिलहाल बंद है। 35 विमान एयर एशिया, इंडिगो, एलायंस एयर विस्तारा और गो फर्स्ट के हैं। इसमें एयर एशिया ने रांची से मुंबई ड़ान भरने वाली एक फ्लाइट के समय में बदलाव कर दिया है।

एयरलाइंस - फ्लाइट संख्या-आगमन- सेक्टर

-इंडिगो - 6ई 6431/6799 ए320एन - 07.20 - पुणे-रांची-बेंगलुरू
-एयर एशिया - 1621/1622 ए320 - 07.25 - बेंगलुरू-रांची-बेंगलुरू
-इंडिगो - 6ई 5037/5043 ए320 - 07.30 - दिल्ली-रांची-दिल्ली
-इंडिगो - 6ई 7561/7562 एनटीआर72 - 08.00 - कोलकाता-रांची-कोलकाता
-एयर एशिया - 5 569/315320 - 08.15 - दिल्ली-रांची-दिल्ली
-इंडिगो - ई291/289एअ320ए - 09.05 - जयपुर-रांची-जयपुर
-इंडिगो - 6ई 6521/6521एन 320एन - 09.35 - लखनऊ-रांची-भुवनेश्वर
-एयर एशिया - 744/745ए320 - 09.50 - दिल्ली-रांची-दिल्ली
-एयर एशिया - 331/335ए320 - 08.40 - मुंबई-रांची-मुंबई
-एयर एशिया - 819/820ए320 - 11.15 - बेंगलुरू-रांची-बेंगलुरू
-गोफर्स्ट - जी8 374/375 ए 320एन - 11.25 - बेंगलुरू-रांची-बेंगलुरू
-इंडिगो - 6ई421/398ए321 - 11.30 - हैदराबाद-रांची-हैदराबाद
-एयर एशिया - 710/549 ए320 - 2.00 - दिल्ली-रांची-दिल्ली
-इंडिगो - 6ई 7965/7964 एनटीआर72 - 12.10 - देवघर-रांची-देवघर
-इंडिगो - 6ई 6373/6722ए 320एन - 12.50 - पटना-रांची-पटना

स्थानीय नीति के विरोध में झारखंड बंद 10 और 11 जून को

रांची। झारखंड स्टेट स्टूडेंट यूनियन ने 10 और 11 जून को एक बार फिर स्थानीय नीति के विरोध में झारखंड बंद का आह्वान किया है। सोशल मीडिया के माध्यम से छात्रों ने भी ट्विटर पर अभियान चलाया। अब एक बार फिर सड़क पर उतरकर विरोध करने की तैयारी की जा रही है।

कई जिलों में नियोजन नीति के विरोध में प्रचार अभियान भी तेज किया गया है। नेताओं से भी नियोजन नीति के विरोध में अपना समर्थन मांगा है। छात्र अपनी मांग को लेकर मांदर ढाक नगाड़ा बजाकर सखुआ पत्ता लेकर घूम रहे है और छात्रों को एकजुट होकर स्थानीय नीति का विरोध करने की मांग कर रहे हैं।

इस संबंध में छात्र इंग्लिस लाल मरांडी ने बताया कि नियोजन नीति अभी सिर्फ कैबिनेट में पास हुई है। यह अभी न तो विधानसभा से पास हुई है और ना ही गजट पत्र बना है। एक तरफ सरकार इसके माध्यम से नियुक्ति की तैयारी में है तो दूसरी तरफ छात्रों के बीच 60-40 आधारित नीति को लेकर विरोध प्रदर्शन जारी है। इस नियोजन नीति का यूथ एसोसिएशन के साथ-साथ कई छात्र संगठन भी विरोध कर रहे हैं। इनमें झारखंड उलगुलान मार्च, पंच परगना फाइटर, आदिवासी छात्र संघ, आमया और आदिवासी मूलवासी संगठन भी शामिल हैं।

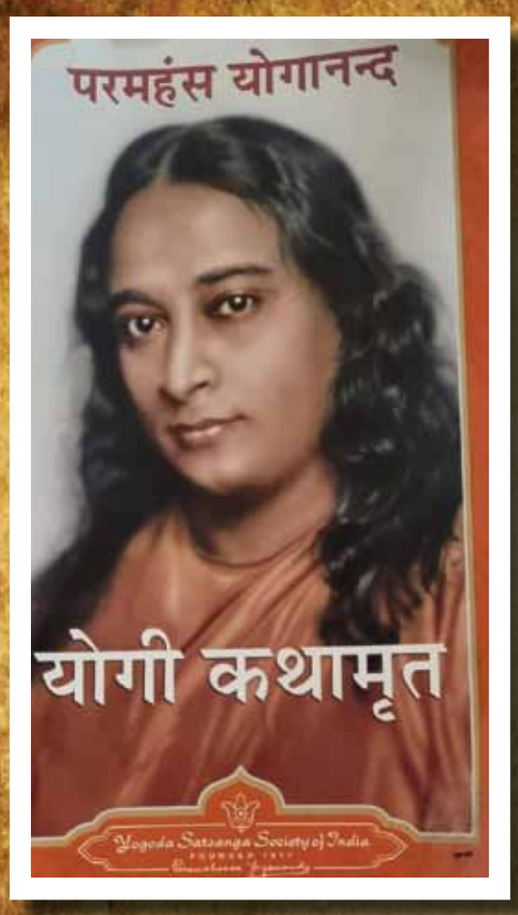

... क्योंकि किताबें खुद अपना समय चुनती हैं उन्हें पढ़े जाने के लिए

दीपाली अग्रवाल

किताबें चाहें कितने बरस से अलमारी में रखी रहें, वे खुद अपना समय चुनती हैं उन्हें पढ़े जाने के लिए। फिर एक ही किताब को अलग-अलग मनःस्थिति में पढ़ा जाए तो वे अलग-अलग छाप छोड़ती हैं। गुनाहों के देवता को मैंने 3 बार पढ़ा है, हर बार अलग-अलग मनःस्थिति में ही और लगता है जैसे एक ही किताब के तीन पहलू जाने हैं। बहरहाल, मैंने परमहंस योगानंद की आत्मकथा पढ़ी है, किताब पिछले 5 साल से मेरे पास है लेकिन पढ़ी अब है। इससे पहले योगानंद जी के बारे में भी कम ही पता था, ये ज़रूर कि इस किताब को कई सेलिब्रिटी ने पढ़ने के लिए कहा है. स्टीव जॉब्स के पर्सनल आईपैड में मौजूद किताबों में से यह एक किताब है। किताब उन लोगों के लिए नहीं है तो तर्कों और प्रमाणों के साथ किसी चीज़ को जांचते हैं बल्कि उनके लिए जो भौतिक से अलग मस्तिष्क के अन्य डायमेंशन में विश्वास रखते हैं। वह क्वांटम फ़िज़िक्स जिस पर वैज्ञानिक परीक्षण कर रहे हैं लेकिन सफलता मिलनी बाक़ी है। अध्यात्म एक ऐसी ही शाखा है, जिसे व्यक्तिगत ही अनुभव किया जा सकता है और विश्वास किया जा सकता है. इसमें विज्ञान के वह नियम नहीं हैं जो सभी पर समान रूप से हर अवस्था में लागू हो सकें इसलिए हर कोई भरोसा भी नहीं करता। फिर योगी की आत्मकथा चमत्कारों से भरी हुई है, हर चैप्टर के बाद एक सवाल ज़हन में कि ऐसा क्या वाक़ई संभव है? भारत से लेकर अमेरिका तक के चमत्कारी संतों का इसमें वर्णन है, जो संत इस किताब में यदा-कदा लोगों के साथ है, उनसे टकरा रहे हैं, आपका उनसे पूरे जीवन काल में मिलना असंभव है जो मिल गए तो फिर कृपा। एक संत एक समय में दो जगह उपस्थित हैं, तो एक महिला संत ने 55 सालों से कुछ नहीं खाया, एक ने अपना कटा हुआ हाथ जोड़ दिया और एक वायु में प्रकट हो गए। योगी के गुरु हैं युक्तेश्वर गिरी, उनके गुरु लाहिड़ी महाशय और उनके महावतार बाबाजी। सभी गुरुओं की अपनी चमत्कार यात्रा है। बाबाजी के बारे में लिखा है कि वो अब भी जीवित हैं परंतु किसी और डायमेंशन में। युक्तेश्वर गिरी भी अपनी मृत्यु के बाद योगी जी के सामने सशरीर प्रकट हो गए थे इतने असली कि वह गले तक मिल लिए। परमहंस ने बहुत लंबा समय अमेरिका में बिताया, पहले 15 साल फ़िर वापस भारत आकर पुनः वहां लौट गए। उनके शिष्यों में मार्क ट्वेन की बेटी भी हैं।

किताब में एक जगह स्वामी विवेकानंद का ज़िक्र भी है जिसमें उन्होंने योगी के आने की संभावना बताई थी। महात्मा गांधी से मुलाक़ात पर भी कई पेज हैं। अधिकांश हिस्सा गुरु-शिष्य संबंधों और संत-महात्माओं के वर्णन पर ही है। स्टीव जॉब्स, विराट कोहली या रजनीकांत ने इस किताब को पढ़कर कैसे अध्यात्मिक उन्नति की तो नहीं पता। लेकिन तर्क-वितर्क से परे अगर इसे पढ़ा जाए और ख़ास तौर पर तब जब मन धार्मिक होने से अधिक आध्यात्मिक है और एक विशेष स्थिति में है तो इसे पढ़कर चाहें जितने प्रश्न मन में उठें लेकिन अध्यात्म को और जानने को मन करेगा। अगर तर्क से साथ पढ़ना तो थोड़ा ठहर जाना चाहिए, ये किताब तब नहीं पढ़नी चाहिए क्योंकि किताबें खुद अपना समय चुनती हैं उन्हें पढ़े जाने के लिए।

र-राज

राज बब्बर

दिल में उतरता अफसाना

चंचल भू

दिलचस्प किताब है : चंचल भू

राज बब्बर पर एक किताब आयी है ,संपादन किया है , साहित्यकार मित्र हरीश पाठक ने । कई संभ्रांत लेखकों ने , इस किताब में अपने '' उद्गार '' (गो कि हम अभी तक उद्गार का मूल अर्थ नहीं समझ पाये हैं , झटके में कभी कभार उद्गार मिला भी है तो उसका जायका अभी तक क़ायम है , बासी ही सही। जौनपुर के इत्र फ़ाहे की तरह,) व्यक्त किए हैं । उद्गार उदर का अपाच्य अवयव है जो ऐन मौक़े पर बाहर आ ही जाता है । हमने भी इस किताब में राज के बारे में लिखा है , घपला यह हुआ है कि जो लिखा चाहिये उसे न लिख कर , उन वाक़यात को उठा दिया है , जिसे आज का साहित्य (?) नकारता है ।

'थ्रिल ?' 'आएँ ? ' ऐसा ?' कुछ नहीं लिखा , बस जो जिया , उसे जस का तस बता दिया । कुछ छिपाया भी है , झूठ क्यों बोलूँ ! लेकिन संपादक हरीश जी की दियानत - दारी समझिये कि इस ख़ादिम को भी किताब के बीच में खोंस दिया है ।

किताब के प्रति इसे हमारा उद्गार समझा जाय , कहीं , किसी पाठक को , हमारे लिखे पर आशंका हो तो उसे संपादक के नाम ख़त लिख कर , समाधान कर लें , हमे इस बखेड़ा से दूर ही रखें , नहीं तो जो नहीं बताया है , वह भी बता दूँगा , क्यों कि हमने इस किताब में अपने को छोड़ कर बाद बाक़ी सब को पढ़ा है । किताब दिलचस्प है । राज माई फ़्रेंड ।

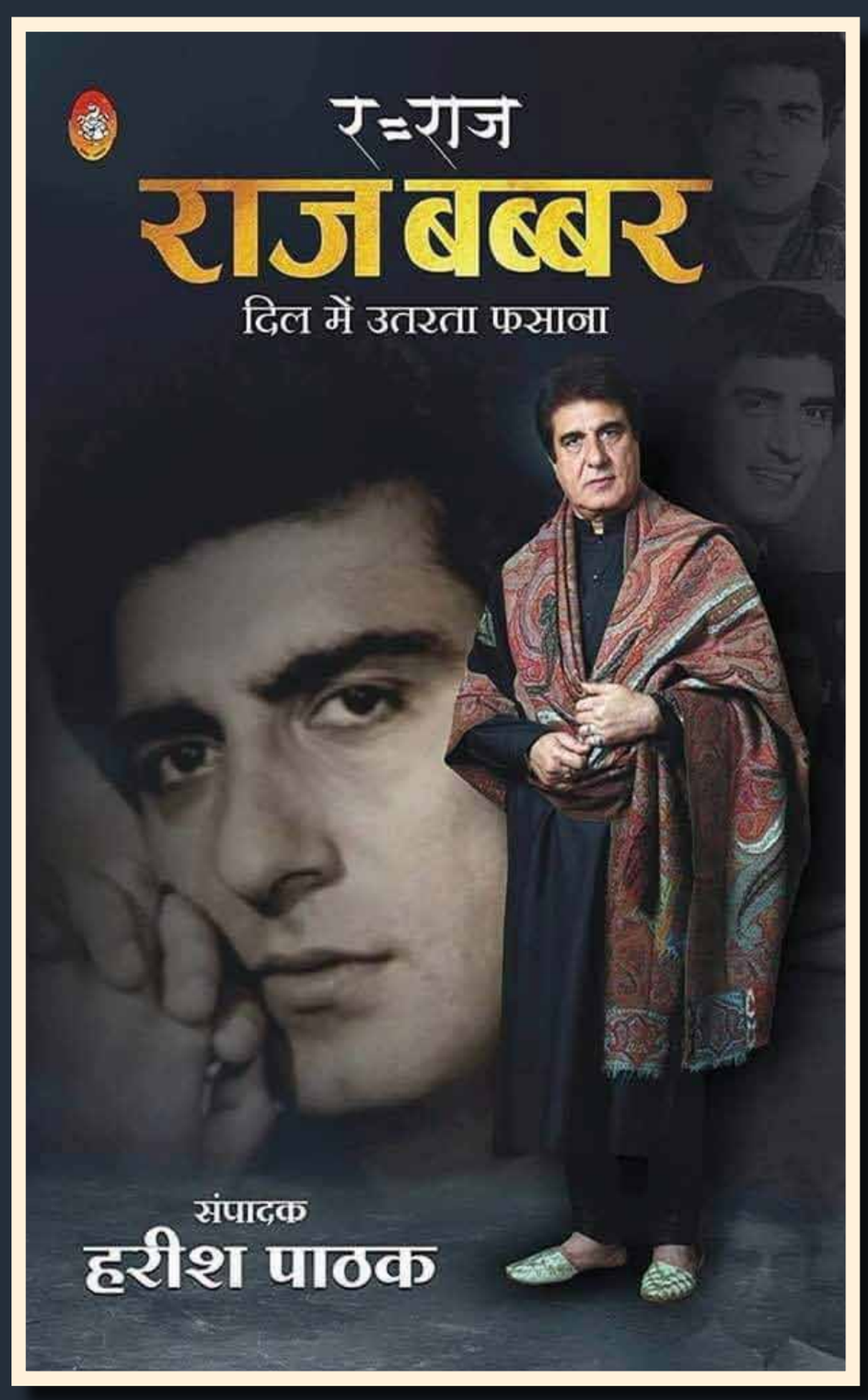

जानकारी से जानकारी तक

उमाशंकर राव 'उरेंदु'

'सबलोग'(लोक चेतना का राष्ट्रीय मासिक, पत्रिका) रोहिणी, दिल्ली से प्रकाशित इस पत्रिका का अंक-९, अप्रैल, 2023, आसनसोल निवासी प्राध्यापिका प्रीति सिंह के हाथों देवघर में दो दिन पूर्व ही प्राप्त हुआ।

इस पत्रिका की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि शोधपरक चीज़ों को अच्छी जगह मिलती है ।इस अंक का विशेषांक केन्द्रित है--'महावीर के जन्म स्थान की पुनर्स्थापना ' ! विषय काफी रोचक एवं पठनीय हैं। पत्रिका के संपादक श्री किशन कालजयी हैं। उन्होंने अपने संपादकीय में कुमार कालिका मेमोरियल कॉलेज,जमुई महाविद्यालय के हिन्दी प्रोफेसर डॉ. शयामानन्द प्रसाद के विशिष्ट कार्यों का उल्लेख किया है । संपादक किशन कालजयी यह बताते हैं कि डॉ. शयामानंद प्रसाद ने जैन सूत्रों तथा ग्रंथों में वर्णित भौगोलिक परिवेश की चर्चा का अध्ययन कर तथा स्थानों का भ्रमण एवं अनुसंधान कर। यह समझ लिया कि जमुई के लछुआड़ के समीप ही क्षत्रिय कुण्डग्राम है ।इस विषय पर उनकी लिखी पुस्तक ने इतिहासकारों का ध्यान आकर्षित किया।

इसके पूर्व ही संपादक किशन कालजयी जी लिखते हैं ---- इस बात परतो मतैक्य है कि महावीर की माता त्रिशला थीं,जो वैशाली के राजा चेटक की बहन थीं तथा महावीर का जन्म ईसा के लगभग छठी शताब्दी पूर्व क्षत्रिय कुण्डग्राम नामक स्थान में हुआ था ।कुण्डग्राम एक महाप्राण था ,जो दो ग्रामों में विभक्त था --ब्राह्मण(माहण) कुण्डग्राम और क्षत्रिय (खत्तिय) कुण्डग्राम ।त्रिशला क्षत्रिय कुण्डग्राम के राजा सिद्धार्थ की पत्नी थीं । क्षत्रिय कुण्डग्राम वास्तव में कहां है--वैशाली में या जमुई के लछुआड़ में--विवाद इस पर रहा ।कहने मलतब यह है कि आज इस तथ्य को जो प्रमाणित हो चुका है कि महावीर का जन्म वास्तव में जमुई के लछुआड़ कुण्डग्राम में ही सही है ,पर भारत सरकार इन सूत्रों को नजरंदाज कर क्यों कोर्स में विद्यार्थियों को आज तक गलत पढ़ाया जा रहा है कि महावीर का जन्म स्थान वैशाली है ?

इस संबंध में संपादक बताते हैं ---₹जैनियों के तीर्थ स्थल गिरीडीह (अब झारखंड) में स्थित पारसनाथ के मधुबन में तीन दिवसीय (24,25,और 36नवम्वर 1984) 'अखिल भारतीय इतिहासज्ञ विद्वत सम्मेलन ' सम्पन्न हुआ जिसमें सुप्रसिद्ध इतिहासज्ञ तथा पुरातत्वविद डॉ राधाकृष्ण चौधरी रामरघुवीर,भंवर लाल नाहटा, प्रकाश चरण प्रसाद,ठाकुर हरेंद्र आदि तथा जैनियों के शीर्ष व्यक्तित्व श्री गुणसागर सुरीश्वर के साथ-साथ सभी इतिहासविदों ने माना कि जमुई के सिकन्दरा अंचल के दक्षिण लछुआड़ ग्राम के निकट का स्थल ही क्षत्रिय कुण्डग्राम है,जो श्रमण महावीर का जन्म स्थल है । फिर भी इतनों वर्षों , दशकों पूर्व यह प्रमाणित होने के वावजूद छात्रों को महावीर की पूर्व लिखित इतिहास ही परोसा जा रहा है ,जो विद्यार्थियों के लिए अनर्थ वह देशाभिमान के विपरीत है ।पत्रिका के सारे आलेख अधिकत्तम महीवीर के विवादित जन्म स्थान पर ही केन्द्रित हैं।इसके लिए पत्रिका के संपादक सहित सभी रचनाकार धन्यवाद के पात्र हैं।

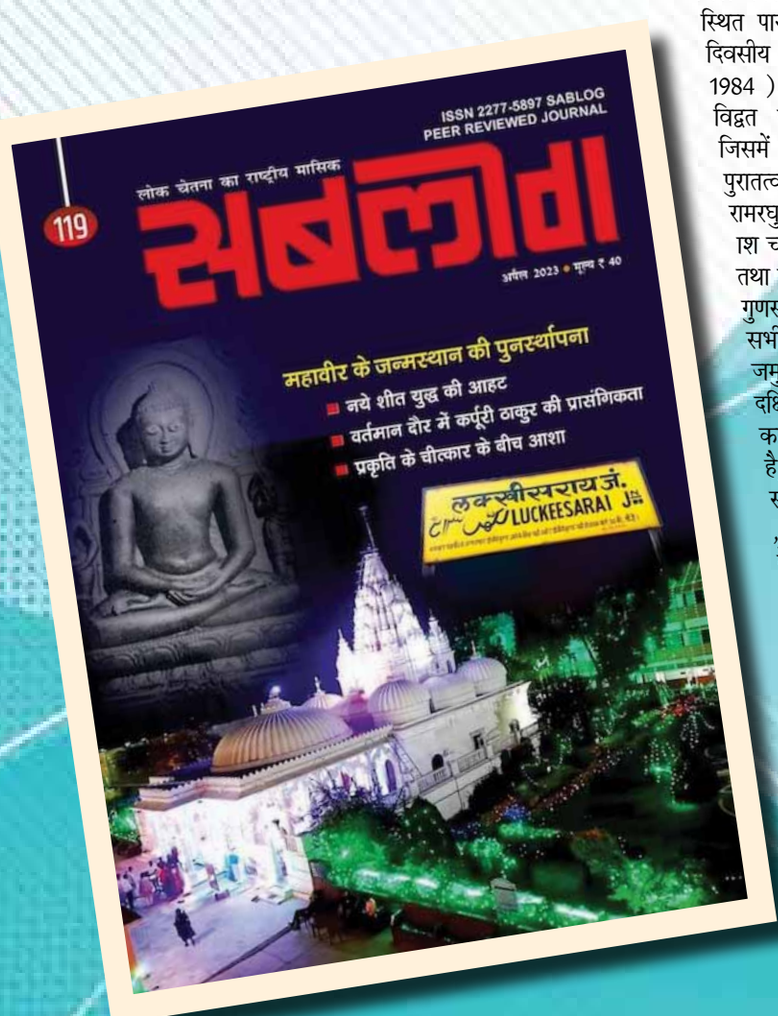

संपादकीय

रेलवे के लिए सबक

भारतीय रेलवे के इतिहास में एक बेहद दुखद और शर्मनाक हादसा दर्ज हो गया। ओडिशा के बालासोर जिले में स्थित बहानागा बाजार स्टेशन एक बहुत अविश्वसनीय हादसे का गवाह बन गया। इस हादसे को समझने में ही लगभग एक दिन का समय लग गया और जो गलती हुई है, उसका आकार-प्रकार तय करने में पता नहीं कितना समय लगेगा? केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को यह बताया कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुई है। रविवार सुबह तक 290 लोगों की मौत हुई है और करीब 1,000 लोग घायल हैं। रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने मामले की जांच की है और घटना की वजहों के साथ-साथ इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान भी कर ली गई है। आमतौर पर रेलवे सामूहिक जिम्मेदारी के तहत दोषी या जिम्मेदार व्यक्ति के नाम उजागर करने से बचता है, पर अब यह परिपाटी बदलनी चाहिए। रेलवे ही नहीं, हर विभाग में जो गैर-जिम्मेदार लोग हैं, उन्हें चिह्नित करना चाहिए। बदलते दौर में सरकारों की जिम्मेदारी है कि किसी भी तरह की सेवा में नाकारा लोगों को बर्दाश्त न किया जाए। साल 1995 के बाद यह सबसे घातक रेल दुर्घटना है और इससे बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। पहले भी सुधार के अवसरों को हमने गंवाया है, पर अब सुधार से मुंह चुराने की रत्ती भर भी गुंजाइश नहीं है। दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला भारत और उसका जरूरत से ज्यादा दबाव झेलता रेल ढांचा छटांक भर लापरवाही भी नहीं बर्दाश्त कर सकता। प्रधानमंत्री का दुर्घटनास्थल पर जाना और वहां रेल मंत्री का लगातार बचाव कार्य में जुटे रहना बेहतर संकेत है। सेवा के मामले में दिखावे का दौर अब पीछे छूट जाना चाहिए और हर सेवा को चाक-चौबंद करना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत अगर सुविधा व सेवा को सुरक्षित बनाने पर पूरा ध्यान लगाए, तो ऐसे हादसों से हम बच सकते हैं, लेकिन आम लोगों को भी सोचना पड़ेगा कि क्या हम अपनी सुरक्षा, सुविधा सुनिश्चित करने के लिए ही वोट देते हैं? समय बदल रहा है, जनता की सुरक्षा के प्रति हर नेता को सजग होना चाहिए। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहुंच गईं। वह कोशिश में लग गईं कि जान गंवाने वालों की संख्या को बढ़ाकर बताएं, ताकि राजनीति चमकाने में सुविधा हो। वैसे, वह रेल मंत्री रह चुकी हैं, तो आज जो रेल दुर्घटना हुई है, उसमें उनका भी कुछ तो योगदान बनता होगा? वस्तुतः यह रेल हादसा राजनीति नहीं, बल्कि नीति और नीयत का विषय है। कवच सुरक्षा जल्दी से जल्दी पूरे देश में लागू हो, लेकिन यह हादसा कवच से जुड़ा नहीं है। इसमें दो यात्री गाड़ियां आमने-सामने से एक ही पटरी पर नहीं भिड़ी हैं। यहां इंटरलॉकिंग सिस्टम, सिग्नल, प्वाइंट और ट्रैक सर्किट में सुधार की जरूरत सामने आई है। कई सवाल खड़े हुए हैं। क्या हम अति आत्मविश्वास के साथ रेल दौड़ाने लगे हैं? क्या 120-130 किमी प्रति घंटा की गति से दो गाड़ियों को अगल-बगल की पटरियों पर विपरीत दिशा में दौड़ाने की तकनीकी व बुनियादी क्षमता हम हासिल कर चुके हैं? क्या स्टेशनों पर न रुकने की स्थिति में वहां गाड़ियों की गति को कम नहीं किया जा सकता? यात्रियों के भाग्य भरोसे रेलों को तेज दौड़ाने से पहले अपना पूरा इंतजाम देख लेना चाहिए। गति तभी तक अच्छी है, जब तक सुरक्षित है। ध्यान रहे, भारतीय रेलवे के मूल मंत्र में सुरक्षा सबसे पहले है।

प्लास्टिक के कबाड़ पर कभी फूल नहीं खिला करते

(हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार)

प्रकृति वैज्ञानिकों, पर्यावरणविदों और नगर नियोजकों से अलग कूड़े-कचरे की जो परिभाषा महात्मा गांधी ने दी है, वह काफी सरल भी है और अनोखी भी। वह कहते हैं- 'कोई चीज अगर अपनी जगह पर नहीं है, तो वह कूड़ा है।' बस एक वाक्य की ही परिभाषा है यह।

इसे समझना ज्यादा कठिन नहीं है। मान लीजिए, अगर एक रोटी किसी थाली में है या किसी के लंच बॉक्स में, तो वह अन्न है और पूज्य भी। लेकिन वही रोटी अगर जमीन पर पड़ी मिले, तो हम उसे कूड़ा कहेंगे। यह परिभाषा हमें सिर्फ कूड़े के बारे में ही नहीं बताती, सफाई का सार भी समझा देती है। इसके हिसाब से सफाई का अर्थ है कि हर चीज को उस जगह पहुंचा दें, जो

कुदरत ने उसके लिए निर्धारित की है, यानी खाने का सामान अगर खाने योग्य नहीं रह गया है, तो उसे कंपोस्ट बनाने के लिए रवाना कर दिया जाए। मगर पिछले तकरीबन सात दशक में हमने एक ऐसी चीज का निर्माण किया है, जिसके सामने गांधी की यह महान परिभाषा असहाय खड़ी दिखती है।

हमने एक ऐसे कूड़े का उत्पादन किया है, जिसके लिए प्रकृति में कोई जगह ही नहीं है। हमने तरह-तरह के रंग-बिरंगे प्लास्टिक न सिर्फ खोजे हैं, बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन कर उन्हें हर जगह स्थापित भी किया है। हमारी जीवन शैली में प्लास्टिक ने इतनी गहरी घुसपैठ कर ली है कि अब उसके बिना हम कुछ सोच भी नहीं पाते। पहले विश्वयुद्ध के बाद प्राकृतिक रबड़ का विकल्प खोजने से जो होड़ शुरू हुई थी, उसने पूरी मानव सभ्यता को वहां पहुंचा दिया है, जहां हर किसी की जिंदगी में हर पल थोड़ा-बहुत प्लास्टिक जरूर है।

समस्या दरअसल इसके आगे शुरू होती है। हमने तो प्लास्टिक को सुविधा के मुताबिक तरह-तरह से उपयोगी बना लिया है, पर यह कुदरत के किसी चक्र का हिस्सा नहीं बनता। कुदरत हर चीज को फिर से उपयोगी बनाने का हुनर जानती है, पर प्लास्टिक के सामने वह भी असहाय है। दुनिया में कोई ऐसा जीवाणु नहीं है, जो इसे सड़ा-गलाकर फिर से उपयोगी बना सके, उल्टे यह प्रकृति को नुकसान ही पहुंचाता है। इसकी रीसाइकलिंग की कोशिशें जरूर होती हैं, पर वे फायदा पहुंचाने के बजाय समस्याएं ही पैदा करती हैं। प्लास्टिक इतना सस्ता होता है कि कई मामलों में नया प्लास्टिक रिसाइकिल किए गए प्लास्टिक से सस्ता पड़ता है।

लाइलाज कूड़ा बनना प्लास्टिक की नियति है। कूड़े के ये पहाड़ अब हमारे चारों तरफ बढ़ते जा रहे हैं। पहले नगर नियोजन की एक अवधारणा थी- 'गारबेज इन गार्डेन आउट।' यानी अगर किसी जमीन में कूड़े को दबा दो, तो उसके ऊपर बहुत सुंदर उपवन सजाया जा सकता है। मगर अब इसकी कोई बात नहीं करता। प्लास्टिक के कूड़े पर फूल नहीं खिलते, अलबत्ता कैंसर जैसी व्याधियां भले उपज जाती हैं। कहते हैं, हर साल आठ करोड़ टन प्लास्टिक समुद्र में बहाया जा रहा है। पांच साल पहले स्पेन के तट पर एक मरी हुई व्हेल का पेट चीरा गया, तो उसमें 32 किलोग्राम प्लास्टिक मिला। हमारे यहां भी पॉलीथिन खाकर मरने वाली गायों की चर्चा बहुत आम है।

दिक्कत यह है कि समस्या लगातार बड़ी हो रही है और हमारे पास इसका कोई समाधान नहीं है।

सबके सच्चे प्रयास से बचेगा पर्यावरण

भारत में गत वर्ष अत्यधिक गरमी के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 159 अरब डॉलर की आय का नुकसान हुआ। असहनीय तापमान से बाहर काम करने वालों की मानसिक विश्लेषणात्मक व शारीरिक क्षमता पर सीधा प्रभाव तो पड़ा ही, अंदर भवनों में कार्य करने वालों की उत्पादकता भी घटी। जलवायु पारदर्शिता रिपोर्ट- 2022 के अनुसार, 167 अरब श्रमिक घंटों का नुकसान केवल एक वर्ष में हुआ, जो 1990 से 1999 की 10 वर्ष की अवधि की तुलना में हुए नुकसान से 39 प्रतिशत अधिक है।विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, परंतु अत्यधिक तापमान और गरमी जल्दी प्रारंभ हो जाने के कारण मवेशियों का दूध उत्पादन घटा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के शोध पत्र के अनुसार, अत्यधिक तापमान से कई मवेशी बीमार हो गए, कई की मृत्यु हो गई और कई के लिए कूलर लगवाने पड़े, जिसके परिणामस्वरूप दूध उत्पादन का खर्च 12 प्रतिशत बढ़ गया।

अनिता भटनागर जैन, पूर्व आईएएस अधिकारी

5 जून विश्व पर्यावरण दिवस था। प्रदूषण से पर्यावरण को नुकसान, विलुप्त होते ध्रुवीय भालू, आर्कटिक व अंटार्कटिका के पिघलते ग्लेशियर और भविष्य की पीढ़ियों के प्रभावित होने के संबंध में अपनी बात रखेंगे। मगर आज भला कितने लोग सोचेंगे कि दूषित पर्यावरण अब आपदा में बदल गया है और उससे 'उनके भी' अस्तित्व पर प्रभाव पड़ रहा है?

भारत में गत वर्ष अत्यधिक गरमी के कारण विभिन्न क्षेत्रों में 159 अरब डॉलर की आय का नुकसान हुआ। असहनीय तापमान से बाहर काम करने वालों की मानसिक विश्लेषणात्मक व शारीरिक क्षमता पर सीधा प्रभाव तो पड़ा ही, अंदर भवनों में कार्य करने वालों की उत्पादकता भी घटी। जलवायु पारदर्शिता रिपोर्ट- 2022 के अनुसार, 167 अरब श्रमिक घंटों का नुकसान केवल एक वर्ष में हुआ, जो 1990 से 1999 की 10 वर्ष की अवधि की तुलना में हुए नुकसान से 39 प्रतिशत अधिक है।विश्व में भारत दुग्ध उत्पादन में प्रथम स्थान पर है, परंतु अत्यधिक तापमान और गरमी जल्दी प्रारंभ हो जाने के कारण मवेशियों का दूध उत्पादन घटा है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के शोध पत्र के अनुसार, अत्यधिक तापमान से कई मवेशी बीमार हो गए, कई की मृत्यु हो गई और कई के लिए कूलर लगवाने पड़े, जिसके परिणामस्वरूप दूध उत्पादन का खर्च 12 प्रतिशत बढ़ गया। पर्यावरण से खिलवाड़ का ही नतीजा है कि 2016 से 2021 के मध्य जलवायु की चरम घटनाओं से भारत में 360 लाख हेक्टेयर भूमि में फसल का, और किसानों को 37,500 लाख डॉलर का नुकसान हुआ। वर्ष 2023 में असामान्य तापमान से और उसके बाद कटाई के समय बारिश से गेहूं-उत्पादन तो प्रभावित हुआ ही, मार्च-अप्रैल में कुछ क्षेत्रों में सामान्य से 308 प्रतिशत अधिक बेमौसम बरसात से प्याज की भी 70 फीसदी फसल खराब हुई।गत 30 वर्षों से वर्षा का स्वरूप लगातार बदलने से कृषि, वानिकी, मत्स्य उत्पादन आदि अनेक आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ा है। एक तरफ, पहाड़ों पर ग्लेशियर सिकुड़ते जा रहे हैं, तो दूसरी तरफ, कम अवधि में बहुत अधिक वर्षा होने से बाढ़ आ रही है, और अधिकांश जल संचित नहीं हो पा रहा। नतीजतन, सिंचाई की जब जरूरत होगी, हमें शायद पर्याप्त जल नहीं मिलेगा। ऐसा दिखने भी लगा है। 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत धान की कृषि भूमि में 2030 तक जल की अत्यधिक कमी हो जाने की आशंका जताई

गई है। पानी की कम उपलब्धता से उत्पादन, लाभ, निर्यात, ऊर्जा उत्पादन आदि सभी प्रभावित हो रहे हैं।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, जलवायु परिवर्तन से सर्दी की अवधि कम और गरमी की अवधि बढ़ रही है, जिससे मच्छरजनित विभिन्न बीमारियों, वायु प्रदूषण के कारण सांस व हृदय संबंधी रोगों में तेज वृद्धि हुई है। स्टेट ऑफ इंडिया एनवायरनमेंट-2022 के अनुसार, भारत में तीन करोड़ व्यक्तियों को पर्यावरण व जलवायु समस्याओं के कारण अपने निवास स्थान को छोड़कर कहीं और बसना पड़ा है। उत्तराखंड में तो अनेक जनपदों में घरेलू प्रवासन चिंताजनक स्तर पर पहुंच गया है।

यूएनईपी ने पर्यावरण दिवस का विषय 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' रखा है। हर वर्ष 40 करोड़ टन से अधिक 'सिंगल यूज प्लास्टिक' का उत्पादन होता है। विश्व में प्रत्येक मिनट 10 लाख प्लास्टिक बोतलें खरीदी जाती हैं और एक दिन में 144 करोड़ बोतलें। एक वर्ष में पांच ट्रिलियन प्लास्टिक बैग का उपयोग होता है। 2000 से 2010 के दशक में ऐसे प्लास्टिक उत्पाद का उपयोग गत 40 वर्षों के उपयोग से भी अधिक बढ़ गया। इसी गति से यदि उपयोग जारी रहा, तो 2050 तक यह आंकड़ा 110 करोड़ टन हो जाएगा। हमारी सुख-सुविधा वाली जीवनशैली का नतीजा तमाम जीव-जंतुओं के साथ-साथ खुद पृथ्वी भी भोग रही है। ब्राजील से 1,140 किलोमीटर दूर कछुओं के आश्रय के एक टापू में पिघली प्लास्टिक चट्टानों का हिस्सा बन गई है। भूगर्भशास्त्र की दृष्टि से यह स्थिति भयावह हो सकती है। माइक्रो प्लास्टिक, यानी पांच मिलीमीटर से छोटे प्लास्टिक के कण अब सर्वव्यापी हैं। यह जमीन से 20 किलोमीटर ऊपर तक वातावरण में, समुद्र से उत्पादित नमक में, नवजात शिशु की नाल में और मां के दूध तक में पाए गए हैं। विश्व में प्रत्येक वर्ष 70 करोड़ टन प्लास्टिक के कचरे का केवल 10 प्रतिशत रीसाइकिल हो पाता है। यह कचरा हजारों किलोमीटर फेंकने या दफनाने के लिए भेजा जाता है। प्लास्टिक के जो गुण (टिकाऊपन और नष्ट न होने की क्षमता) हैं, वही समस्या भी है कि वह सदियों तक प्राकृतिक रूप से नष्ट नहीं हो सकती।

सरकार ने कुछ नीतियां बदली हैं, और कई योजनाओं को चालू किया है, परंतु जब तक हम सुविधाभोगी जीवनशैली में परिवर्तन नहीं लाएंगे, क्रांतिकारी बदलाव संभव नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति को व्यक्तिगत रूप से सोचना है कि क्या पर्यावरण में बदलाव आया है, और उसमें उसका क्या योगदान है? अपनी गतिविधियों से हम पर्यावरण पर जो कुप्रभाव डाल रहे हैं, वह हमारे लिए तो नुकसानदेह है ही, दूसरों के लिए भी है। यह अच्छी बात है कि अब अक्सर पर्यावरण से संबंधित समाचार आते हैं, विभिन्न शहरों में वायु गुणवत्ता नापी जा रही है, और अब शहरों में जनसामान्य भी इसे समझने लगे हैं। मौसम विभाग अब तापमान तो बताता ही है, 'फील लाइक', यानी तापमान की तपिश भी बताने लगा है। ये सब पर्यावरण-संरक्षण के प्रति बढ़ते रुझान के उदाहरण हैं।

स्पष्ट है, हम में से प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं सच्चाई का सामना कर निष्ठापूर्वक कदम उठाना है। बचपन में कहानी सुनी थी कि एक राजा ने अगली सुबह गांव के एक तालाब में सबसे केवल एक लोटा दूध डालने को कहा, ताकि तालाब दूध से भर जाए। मगर अगले दिन तालाब दूध के स्थान पर पानी से भरा था, क्योंकि कमोबेश हर किसी ने सोचा कि दूसरा तो दूध डालेगा ही, इसलिए उसके पानी डालने से क्या अंतर होगा? लिहाजा, हर किसी को महज 5 जून नहीं, हर दिन पर्यावरण संरक्षण को लेकर ईमानदारी दिखानी होगी।(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

आदिवासी जीवन पद्धति: एक विकसित पर्यावरणीय दृष्टिकोण

पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अनादि काल से ही भारत के आदिवासियों के जीवन की एक अभिन्न पहचान रही है। ये बात अलग है कि आदिवासियों को विभिन्न सामाजिक व आधुनिक जीवनशैली के आयामों में पिछड़ा हुआ माना जाता है, परंतु इन समाजों का पर्यावरण के प्रति प्रेम, इसके संरक्षण का दूरगामी दृष्टिकोण एवं पर्यावरण के साथ उनका अन्योन्याश्रय संबध वर्तमान परिपेक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे संकटों से बचाने की प्रेरणा देता है।

(अर्जुन मुंडा)

विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) एक ऐसा अवसर था जो लोगों को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने तथा पर्यावरण के संरक्षण हेतु प्रोत्साहित करता है। आज ग्लोबल वॉर्मिंग विश्व की एक गंभीर समस्या बन चुकी है तथा सर्वविदित है कि यह ग्लोबल वॉर्मिंग दीर्घकाल में जलवायु परिवर्तन को जन्म दे रही है, जिस से दुनिया भर में मौसम के स्वरूप में बदलाव हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार 2027 तक पृथ्वी का तापमान ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच जायेगा। आज ग्लोबल वॉर्मिंग से निपटने के लिए दुनियाभर में प्रयास किए जा रहे हैं, 2021 यूएनएफसीसीसी कॉप 26 के दौरान ग्लासगो में वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली की अवधारणा पेश की और परंपरागत जीवन शैली और प्रथाओं को अपनाने के लिए एक वैश्विक प्रयास को फिर से शुरू करने का आह्वान किया।

पर्यावरण अनुकूल जीवन शैली अनादि काल से ही भारत के आदिवासियों के जीवन की एक अभिन्न पहचान रही है। ये बात अलग है कि आदिवासियों को विभिन्न सामाजिक व आधुनिक जीवनशैली के आयामों में पिछड़ा हुआ माना जाता है, परंतु इन समाजों का पर्यावरण के प्रति प्रेम, इसके संरक्षण का दूरगामी दृष्टिकोण एवं पर्यावरण के साथ उनका अन्योन्याश्रय संबध वर्तमान परिपेक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन तथा ग्लोबल वार्मिंग जैसे संकटों से बचाने की प्रेरणा देता है। आदिवासी कभी भी प्रकृति को नुकसान पहुँचाकर कुछ भी पाना नहीं चाहता इसलिए उसने पर्यावरण को नुकसान से बचा कर अपने जीवन को सरल बना रखा है। आदिवासी प्रकृति के पूजक हैं और प्रकृति में पाये जाने वाले सभी जीव, जंतु, पर्वत, नदियाँ, पेड़ पौधों आदि की पूजा करते हैं। आदिवासियों का पर्यावरण के साथ घनिष्ठ सम्बंध है और यह बात आप इससे समझ सकते हैं कि अभी कुछ दिन पहले खूंटी झारखण्ड में 501 आदिवासी जोड़े जंगल में पेड़ों को साक्षी मानकर उनके समक्ष विवाह के पवित्र बंधन में बंधे।जनजातीय लोग प्रकृति के साथ अपना सामंजस्य स्थापित कर वन्यजीवों के साथ-साथ

प्राकृतिक संपदाओं की भी सुरक्षा करते हैं। अगर आप देखें तो पूरे विश्व में जंगल आज उन्हीं जगहों पर ज्यादा घने और बचे हुए हैं, जहाँ-जहाँ पर आदिवासी लोग बसे हुए हैं। क्योंकि आदिवासी जंगल को अपना एक अभिन्न अंग मानते हैं और यह बात समझते हैं कि प्राकृतिक जंगल उगाये नहीं जा सकते, खुद बनते हैं, इसके लिए उन्होंने अपनी सामाजिक व्यवस्था के तहत कुछ बंदिशें लगा रखी हैं जैसे मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के भील जनजाति के लोग पीपल और अर्जुन जैसे पेड़ों की श्रद्धापूर्वक पूजा करते हैं। उसी प्रकार झारखंड में साल वृक्ष की पूजा होती है व इन्हें काटना या क्षति पहुंचाना वर्जित होता है। जलावन के लिए हमेशा सूखे पेड़ ही काटे जाते हैं। महाराष्ट्र के वर्ली समुदाय, अरुणाचल के मिशमी एवं मध्यभारत के कोल जनजाति के लोग बाघों को पूजनीय मानते हैं। इसी प्रकार गोंड जनजाति मछलियों के प्रजनन के मौसम के दौरान नदी के कुछ हिस्से में मछली पकड़ना छोड़ देते हैं। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की जनजातियों का जीवन प्रकृति से बहुत मिला हुआ है।

अभी हाल में ही 'द एलीफेंट व्हिस्परर' डाक्यूमेंट्री ने सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र लघु फिल्म श्रेणी में ऑस्कर जीता। इसमें तमिलनाडु के मुदुमलाई टाइगर रिजर्व में दो अनाथ हाथी 'रघु और अमू' और उनकी देखभाल करने वाले काटुनायकन जनजातीय के बोम्मन और बेली के बीच एक अटूट बंधन, निःस्वार्थ प्रेम और करूणा को दर्शाया गया है। इस डाक्यूमेंट्री के माध्यम से आज पूरे विश्व ने जनजातीय लोगों एवं प्रकृति और पर्यावरण के एक अद्वितीय संबध को निकटता से महसूस किया है। जंगलों में आदिकाल से रहने वाले ये आदिवासी जंगल के पशुओं के लिए कभी भी खतरा नहीं रहे। जनजातीय लोग जंगल के बीच रहते हैं, वे जंगल में नंगे पैर चलते हैं तथा यह उनका प्रकृति के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने का तरीक़ा है। वे लोग जंगल से उतना ही लेते है जितनी उन्हें ज़रूरत होती है। आदिवासी लोग अपनी पर्यावरण अनुकूल संस्कृति से प्यार करते हैं और अपनी संस्कृति की रक्षा करना चाहते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद ये लोग खुश रहने की कला भी बखूबी जानते हैं।

मनुष्य ने पर्यावरण का सर्वाधिक नुकसान जंगलों को आधुनिक जरूरतों में तब्दील करके ही किया है। अभी तक पूरे विश्व के करीब दो तिहाई से ज्यादा जंगलों की वनसंपदा को अत्यधिक क्षीण किया जा चुका है। जंगल बचाने के लिए हमें गंभीर होना पड़ेगा क्योंकि जंगल प्रकृति का केंद्र है और इनमें असंतुलन से अभूतपूर्व विनाश निश्चित है।

अगर हमें पर्यावरण की रक्षा करनी है तो इस विचार को प्राथमिकता देने का प्रयास करना होगा कि जैसे प्रकृति और पर्यावरण के प्रति आदर का भाव हर जनजातीय समुदाय में है और जैसे विश्व भर के जनजातीय समुदाय, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए तत्पर हैं वैसे ही पर्यावरण के प्रति प्रेम व समर्पण के भाव का दीपक पूरे जगत को स्वयं के भीतर प्रज्वलित करना ही होगा। आज जब हम पर्यावरण सम्मत विकास प्रणाली खोज रहे हैं तो पर्यावरण-संरक्षण की जनजातीय तकनीकें, उनकी परम्पराएँ और प्रकृति के प्रति उनका आदर-भाव हमें बहुत कुछ सिखा सकते हैं। इसके साथ ही हमें प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने हेतु पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाने हेतु एक जनवादी आंदोलन को तैयार करने की दिशा में अपने संघर्षों को तेज करने की आवश्यकता है।

(लेखक केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री हैं)

RNI Title Code - JHAHIN01027 स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ. सिकंदर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखंड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित प्रधान संपादक डॉ. सिकंदर कुमार (मो. नं. 9955599136)
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

चीन के अधिनायकवादी मॉडल के खिलाफ भारत और अमेरिका को व्यवहार्य विकल्प पेश करना चाहिए : कृष्णमूर्ति

वाशिंगटन/भाषा। भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने कहा कि भारत और अमेरिका को अपनी ताकत का लाभ उठाते हुए चीन के अधिनायकवादी मॉडल के खिलाफ एक व्यवहार्य विकल्प पेश करना चहिए।

सांसद कृष्णमूर्ति स्ट्रैटजिक काम्पिटिशन बिटविन यूनाइटेड स्टेट्स एंड चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) पर प्रतिनिधि सभा में एक शक्तिशाली समिति के सदस्य हैं। उनका यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस माह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के आमंत्रण पर हो रही अमेरिका यात्रा से पहले आया है।

कृष्णमूर्ति ने पीटीआई-भाषा से कहा, मेरा मानना है कि यात्रा (मोदी) भारत और अमेरिका के संबंधों की ताकत को प्रदर्शित करती है और मुझे यह इस वक्त राजनीति से ऊपर दिखाई देती है। हमें इसे मजबूत करना है, प्रगाढ़ करना है और यह सुनिश्चित करना है कि हम इसे नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। उन्होंने कहा, हमें यह सुनिश्चित करना है कि हम अपनी ताकत का इस्तेमाल यह स्पष्ट करने में करें कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया के सामने एक अधिनायकवादी तानाशाही मॉडल पेश कर रही है लेकिन उसके सामने एक व्यवहार्य विकल्प है। लोकतंत्र, मानवाधिकारों के प्रति प्रतिबद्धता, बहुलवाद के लिए प्रतिबद्धता बेहद जरूरी है।

स्ट्रैटजिक काम्पिटिशन बिटवीन यूनाइटेड स्टेट्स एंड चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) ने ताइवान की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने तथा भारत को शामिल करने सहित नाटो प्लस को मजबूत करने के लिए हाल में एक नीति प्रस्ताव को अंगीकार किया था। नाटो प्लस वर्तमान में नाटो प्लस 5 है और एक प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था है जो उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) तथा पांच सहयोगी देशों-ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इजराइल और दक्षिण कोरिया को साथ लाता है।

भारत को इसमें शामिल करने से इन देशों के बीच खुफिया सूचनाएं साझा करना आसान होगा तथा भारत बिना देरी के आधुनिक सैन्य तकनीक तक पहुंच बना सकेगा। कृष्णमूर्ति (49)ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, मुझे लगता है कि हमें चर्चा करनी होगी कि हम हिंद-प्रशांत क्षेत्र के भीतर सुरक्षा व्यवस्था को कैसे मजबूत करते हैं। हम अपनी ताकत का लाभ कैसे उठाते हैं? हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि उस क्षेत्र में हम एक अंतरराष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम हैं? वहीं, सिलिकॉन वैली में भारतीय-अमेरिकी नेता योगी चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा को लेकर अमेरिकियों के बीच काफी उत्साह है तथा भारतीय अमेरिकी द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में कहा, खूब उत्साह है, तकनीक हो, चाहे समुदाय हो या भारत को अमेरिका में मिल रहे सम्मान की बात हो। तो मुझे लगता है कि खूब उत्साह है। मेरे पिता 90 वर्ष के हैं और इस बात से उत्साहित हैं कि प्रधानमंत्री अमेरिका आ रहे हैं।

भाजपा की प्राथमिकताओं में राज्यों में संगठन की मजबूती

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता पिछले कुछ दिनों से संगठनात्मक मामलों पर मंथन कर रहे हैं क्योंकि मध्य प्रदेश और तेलंगाना जैसे चुनावी राज्यों में गुटबाजी उसके लिए परेशानी का सबब बन गई है। ऐसे में पार्टी की कोशिश चुनाव से पहले इन कमजोर कड़ियों को दुरुस्त करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा फूंकने की है। पार्टी के एजेंडे में एक और मुद्दा सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का विस्तार है। हाल के वर्षों में जनता दल (यूनाइटेड) और अकाली दल जैसे पारंपरिक सहयोगियों का साथ छूटने के बाद राजग के घटक दलों में कमी आई है।

वर्ष 2018 में राजग छोड़ने वाली तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के सुप्रीमो एन चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच हुई हालिया बैठक ने उन चर्चाओं को एक बार फिर तेज कर दिया है कि दोनों दलों के बीच फिर से गठबंधन हो सकता है।

सूत्रों का कहना है कि नायडू भी लंबे समय से इसके लिए प्रयासरत हैं। भाजपा के एक नेता ने कहा कि जल्द ही राजग का विस्तारित स्वरूप सामने आएगा जब इसकी एक बैठक होगी। हालांकि यह देखा जाना अभी बाकी है कि क्या भाजपा औपचारिक रूप से तेदेपा के साथ हाथ मिलाती है क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के साथ भी उसके अच्छे समीकरण रहे हैं।

दोनों दलों के बीच गठबंधन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस को विपक्षी खेमे में धकेल सकता है। तेदेपा के साथ गठबंधन की संभावना पर भाजपा सूत्रों ने कहा कि यह फैसला पार्टी के शीर्ष नेता करेंगे। पार्टी 2024 के लोकसभा चुनावों में केंद्र में सत्ता बरकरार रखने की अपनी योजनाओं पर काम कर रही है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनाव भी उसकी प्राथमिकताओं की सूची में शामिल हैं। खासकर कर्नाटक में कांग्रेस से हार के बाद भाजपा अत्यधिक सक्रिय हो गई है क्योंकि इस साल होने वाले चार बड़े विधानसभा चुनावों में से तीन में कांग्रेस ही उसकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी होगी। मध्य प्रदेश और तेलंगाना के अलावा इस साल कांग्रेस शासित राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वी डी शर्मा का कार्यकाल पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और उनके बीच बेहतर तालमेल के अभाव की खबरें भी अक्सर आया करती है। मध्य प्रदेश में पारंपरिक रूप से भाजपा का संगठन मजबूत माना जाता है।

पुरस्कार

नई दिल्ली में बुधवार को विदेश और संसदीय कार्य राज्य मंत्री श्री वी. मुरलीधरन नई दिल्ली में दूसरे अखिल भारतीय महापौर और आरडब्ल्यूए शिखर सम्मेलन के उद्घाटन के अवसर पर पुरस्कार प्रदान करते हुए।

कुनबे के आगे देश के विकास और स्वाभिमान को देख नहीं पा रही है कांग्रेस : नकवी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने राहुल गांधी द्वारा अमेरिका में की गई कुछ टिप्पणियों को लेकर बुधवार को उन पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि देश की मुख्य विपक्षी पार्टी को अपने कुनबे के आगे देश का लोकतंत्र, विकास और स्वाभिमान दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र के संदर्भ में राहुल गांधी की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर यहां संवाददाताओं से कहा कि परिवारतंत्र के पाठ्यक्रम द्वारा प्रजातंत्र के पराक्रम को परास्त करने का प्रयास विफल हो रहा है।

नकवी ने दावा किया कि इस तरह के कदमों के चलते ही कांग्रेस सियासी मैदान से बाहर हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस को अपने कुनबे के आगे देश का लोकतंत्र, विकास और स्वाभिमान दिखाई नहीं दे रहा है।

श्रेया नारायण की शॉर्ट फिल्म 'पार्ट टाइम जॉब' रिलीज

मुंबई/वार्ता

देश के पहले राष्ट्रपति डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद की परपोती और जानी मानी बॉलीवुड अभिनेत्री श्रेया नारायण की शार्ट फिल्म 'पार्ट टाइम जॉब' रिलीज हो गयी है। साहब बीवी और गैंगस्टर, रॉक स्टार, सुपरनानी और यारा जैसी कई फिल्में कर चुकीं श्रेया नारायण की शॉर्ट फिल्म पार्ट टाइम जॉब को वरिष्ठ पत्रकार पीयूष पांडे निर्देशित किया है। यह फिल्म शॉर्ट फिल्म्स के चर्चित प्लेटफॉर्म 'दशॉर्टकट्स' पर रिलीज हुई। श्रेया के अपोजिट इस फिल्म में 'हाईवे' और 'फैंटम' जैसी फिल्मों से सुर्खियों में आए हेमंत माहौर हैं।

श्रेया ने अपने करियर की शुरुआत यशराज बैनर की सोनी टीवी पर आई सीरिज पाउडर से की थी, जिसके बाद उन्होंने कई बड़े बैनर की फिल्में की हैं। लेकिन, पार्ट टाइम जॉब शॉर्ट फिल्म है तो इसकी वजह बताते हुए श्रेया ने कहा, अब बॉलीवुड में नया ट्रेंड है। हर बड़ा कलाकार और निर्देशक शॉर्ट फिल्म कर रहा है। मनोज बाजपेयी की आउच को निर्देशक नीरज पांडे ने निर्देशित किया। अनुराग कश्यप ने 'छुरी' में एक्टिंग की है। राधिका आप्टे, काजोल,आशुतोष राणा,तापसी पन्नू,पीयूष मिश्रा सभी ने हाल के दिनों मे शॉर्ट फिल्म की हैं। दरअसल, शॉर्ट फिल्म्स निर्देशकों को ऐसे अनूठे विषय चुनने की आजादी देती हैं,जिन पर बॉक्स ऑफिस के दबाव में फिल्म बनाना मुश्किल है। ऐसी फिल्मों से एक्टर्स और निर्देशक दोनों खुद को एक्सप्लोर करते हैं। पीयूष पांडे ने कहा, लोगों का फिल्म देखने का तरीका बदल रहा है। आजकल लोग मेट्रो में चलते चलते फिल्म देख रहे हैं। उन्हें अच्छा कंटेंट चाहिए लेकिन बहुत लंबा नहीं। इसके अलावा आजकल महंगी फिल्में भी लोग थिएटर में नहीं देख रहे हैं। ऐसे में शॉर्ट फिल्म्स खुद को अभिव्यक्त करने का बेहतरीन माध्यम है। जहां तक पार्ट टाइम जॉब का सवाल है तो मैं दावे से कह सकता हूं कि इस तरह की कहानी दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखी होगी। हेमंत माहौर ने कहा, शॉर्ट फिल्म सिर्फ कहने के लिए शॉर्ट हैं, इन्हें बनाने में मेहनत उतनी ही लगती है। पार्ट टाइम जॉब तो वैसे भी फिल्म नहीं एक मैसेज है,जो हर मिडिलक्लास फैमिली तक पहुंचना चाहिए।

पार्ट टाइम जॉब एक 10 साल के बच्चे की कहानी है, जो माता-पिता की अति व्यस्तता में खुद को उपेक्षित महसूस करता है। और इस उपेक्षा में वो ऐसी आभासी दुनिया में पहुंच जाता है,जिसके बारे में माता पिता को पता लगने पर उनके पैरों तले जमीन सरक जाती है। पार्ट टाइम जॉब में मास्टर प्रवर पांडे ने दस वर्षीय आदित्य का किरदार निभाया है। इस फिल्म में प्रवर एक टेबल टेनिस खिलाड़ी की भूमिका है। इस फिल्म को राजेश जैन और नवीन किशोर ने प्रोड्यूस किया है।

ओडिशा ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवारों की मदद करेंगे सोनू सूद

मुंबई/वार्ता

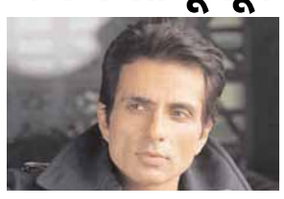

बॉलीवुड अभिनोत सोनू सूद ओडिशा ट्रेन हादसे में पीड़ित परिवार की मदद करेंगे। सोनू सूद ने ओडिशा ट्रेन हादसे का शिकार हुये पीड़ित परिवारों की मदद करने का फैसला किया है। सोनू सूद ने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह कह रहे हैं, 'दोस्तों पिछले कुछ समय से हम लोग पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कौन से ऐसे परिवार हैं, जो ओडिशा ट्रेन दुर्घटना से बहुत ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कुछ लोगों ने अपने परिजन खो दिए, कुछ लोग बहुत बुरी तरह घायल हुए और पता नहीं कि अब वे अपनी जिंदगी आगे कैसे काटेंगे।

सोनू सूद ने कहा, 'उन लोगों की मदद करने के लिए हमने एक हेल्पलाइन नंबर 9967567520 जारी किया है, जिसे मैं आप लोगों के साथ शेयर कर रहा हूं। इस नंबर पर आप हमें पीड़ित परिवार से कनेक्ट कर सकते हैं, तो प्लीज इस पर मैसेज भेजिए। याद रखिए इस नंबर पर आपको फोन नहीं करना है, सिर्फ एसएमएस भेजना है। आप हमें उस परिवार के साथ जोड़े. हम कोशिश करेंगे कि उन्हें वापस कैसे पैरों पर खड़ा किया जाए। हम पीड़ित परिवारों की नौकरी, कारोबार, बच्चों की पढ़ाई को लेकर हर तरह से उनकी मदद करने की पूरी कोशिश करेंगे।

भोजन

अगरतला में बुधवार को विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ अगरतला द्वारा गरीब लोगों को भोजन उपलब्ध कराया गया।

बिग बी ने किया खुलासा, आखिर क्यों नंगे पैर फैंस से करते हैं मुलाकात?

मुंबई/एजेन्सी

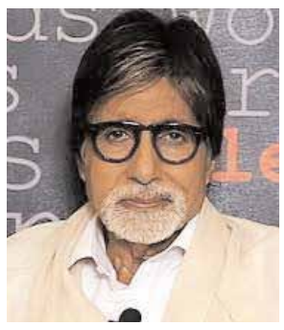

मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने इस बात का खुलासा किया है कि वह हर रविवार को घर के बाहर नंगे पैर अपने प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते हैं। अमिताभ ने अपने ब्लॉग पर अपने घर के बाहर प्रशंसकों का अभिवादन करते हुए कई तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने गर्मी की वजह से बाहर रखे पीने के पानी की तस्वीरें भी साझा कीं। उन्होंने लिखा: मैंने महसूस किया कि वे (फैंस) इस चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतजार करते हैं, इसलिए प्यास बुझाने के लिए पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए 4 कंटेनर, 2 गेट के दोनों ओर 'मटके' के ऊपर 'मटका' रखा रहता है, जो दिन और रात के दौरान स्थायी रूप से होता है। स्टार ने उल्लेख किया कि वह नंगे पैर प्रशंसकों का अभिवादन क्यों करते है? मुझसे हमेशा यह पूछा जाता है कि 'नंगे पैर प्रशंसकों से मिलने कौन जाता है'? मैं उनसे कहता हूं, 'मैं जाता हूं..आप मंदिर नंगे पैर जाते हैं..मेरे शुभ चिंतक मेरे लिए मंदिर के समान हैं!

विक्की-सारा ने सिद्धिविनायक मंदिर में की पूजा-अर्चना

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल और अभिनेत्री सारा अली खान ने सिद्धिविनायक मंदिर में पूजा-अर्चना की। सारा अली खान और विक्की कौशल की फिल्म 'जरा हटके जरा बचके' हाल ही में प्रदर्शित हुयी हे, जो दर्शकों को पसंद आ रही है।इसी बीच फिल्म की सफलता के बाद सारा-विक्की मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। तस्वीरों में सारा व्हाइट कुर्ते के साथ प्रिंटेड पेंट और मैचिंग दुपट्टा कैरी किए ट्रेडिशनल लुक में बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। वहीं विक्की कौशल भी व्हाइट कुर्ता और पायजामा में परफेक्ट लग रहे हैं। दोनों ने मंदिर में प्रसाद चढ़ाया और मंदिर के बाहर लोगों के बीच प्रसाद बांटे।मंदिर में विक्की और सारा ने दोनों हाथ जोड़ गणपति बप्पा के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। विक्की और सारा की फिल्म 'जरा हटके ज़रा बचके'का निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है। यह फिल्म मैडॉक फिल्म्स और जियो स्टूडियोज द्वारा निर्मित है।

हप्पू की उलटन पलटन : घर में नए मेहमान के आने से मुसीबत में पड़े हप्पू

मुंबई/एजेन्सी

टीवी शो 'हप्पू की उलटन पलटन' में एक नए किरदार की एंट्री होगी। दरअसल, दरोगा हप्पू सिंह (योगेश त्रिपाठी द्वारा अभिनीत) के घर एक अजीब मेहमान आएगा, जिसके चलते वह एक मुसीबत के जाल में फंस जाएंगे।

उनका किरदार हप्पू सिनोफोबिया से पीड़ित है, वह कुत्तों से डरते है। ट्रैक में, कमिश्नर (किशोर भानुशाली) छुट्टियों की योजना बनाता है और अपने शरारती पालतू कुत्ते राजू की देखभाल हप्पू को सौंपते हैं। हप्पू, कटोरी अम्मा (हिमानी शिवपुरी) और केट (गजल सूद) को छोड़कर घर में हर कोई राजू के साथ खेलता है। योगेश त्रिपाठी ने कहा: हप्पू बेनी (विश्वनाथ चटर्जी) से राजू को उसके साथ रखने का अनुरोध करता है। लेकिन बिमलेश (सपना सिकरवार) मना कर देती है। इसलिए हप्पू के पास राजू की देखभाल करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। थोड़े समय में, रितिक (आर्यन प्रजापति), चमची (जारा वारसी और रणबीर (सौम्या आजाद) को राजू से प्यार हो जाता है और कमिश्नर के दौरे से लौटने पर उसे अलविदा नहीं कहना चाहते।

वे राजू को छिपाने के लिए एक चालाक योजना बनाते हैं और उसे सुरक्षित रखने के लिए एक दयालु भिखारी को सौंप देते हैं। इस बीच कमिश्नर राजू का पता-ठिकाना जानने की मांग करते नजर आएंगे। हप्पू, जो राजू के लापता होने के बारे में पूरी तरह से अनजान है, को कमिश्नर के गुस्से का सामना करना पड़ता है। अभिनेता ने आगे कहा: हप्पू को सबक सिखाने के लिए, कमिश्नर ने राजू के मिलने तक उसे अपना पालतू कुत्ता बनाने का फैसला किया। 'हप्पू की उलटन पलटन' हर सोमवार से शुक्रवार एंड टीवी पर प्रसारित होता है।

आदिपुरुष : हर सिनेमा में एक सीट भगवान हनुमान के लिए खाली छोड़ी जाएगी

मुंबई/एजेन्सी

आदिपुरुष 16 जून को प्रदर्शित होने जा रही है। हाल ही में इसका दूसरा ट्रेलर जारी किया गया है, जिसे देखने के बाद यह कहा जा रहा है कि इस वर्ष एक और ब्लॉकबस्टर फिल्म आ गई है। दर्शकों ने ट्रेलर को हाथों-हाथ लिया है। प्रमोशन जोरशोर से शुरू हुआ है। अब इस फिल्म के निर्माताओं ने रिलीज से पहले एक बड़ी घोषणा की है। मेकर्स ने कहा कि आदिपुरुष की स्क्रीनिंग के दौरान हर थिएटर में एक सीट भगवान हनुमान के लिए खाली छोड़ी जाएगी, क्योंकि जहां रामकथा होती है, वहां हनुमान मौजूद रहते हैं। मेकर्स ने यह फैसला लोगों की आस्था को देखते हुए लिया है। ओम राउत निर्देशित यह फिल्म देशभर के थिएटर्स में 16 जून को रिलीज होगी। फिल्म में भगवान हनुमान का किरदार मराठी एक्टर देवदत्त नागे निभा रहे हैं। इस फिल्म में कृति और प्रभास पहली बार साथ नजर आएंगे।

मंगलवार को फिल्म की टीम की ओर से एक बयान जारी किया गया है। इस बयान में कहा गया कि जहां भी रामायण का पाठ किया जाता है, वहां भगवान हनुमान की उपस्थिति होती है। इसी विश्वास के साथ 'आदिपुरुष' की स्क्रीनिंग करने वाले हर थिएटर में भगवान हनुमान के लिए एक सीट खाली रखी जाएगी।' यह फिल्म 5 भाषाओं में रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर मेकर्स के इस फैसले की तारीफ की जा रही है। वहीं कई लोग इसे फिल्म प्रमोशन के तौर पर देख रहे हैं। आदिपुरुष हिंदी, तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ समेत पांच भाषाओं में रिलीज होने जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले निर्माताओ ने पिछले साल दशहरा के मौके पर अयोध्या में आदिपुरुष का भव्य टीजर लॉन्च किया था, जिसे दर्शकों से बहुत खराब रिस्पॉन्स मिला था। किरदारों के खराब लुक और तत्रद्ध के चलते फिल्म का बहुत मजाक बनाया गया था। इतना ही नहीं, मेकर्स पर धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप भी लगे थे और इसे बैन करने की भी मांग की गई थी। हालांकि, पिछले महीने मई में रिलीज हुए फिल्म के नए ट्रेलर से मेकर्स ने सभी विवादित सीन हटा लिए थे। तत्रद्ध को भी पहले से काफी बेहतर बनाया गया। 13 जून को न्यूयॉर्क के ट्रिबेका फिल्म फेस्टिवल में इस फिल्म का वर्ल्ड प्रीमियर होगा। फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को मिडनाईट ऑफरिंग के तौर पर पेश किया जाना है। वहीं, बिग स्क्रीन पर यह 16 जून को रिलीज होगी की जाएगी। आदिपुरुष की कहानी रामायण पर बेस्ड है। फिल्म में प्रभास भगवान राम का किरदार में नजर आएंगे, जबकि कृति मां सीता के रोल में होंगी। वहीं रावण के रोल में सैफ अली खान दिखाई देंगे।